राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 37 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 10 दिसंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोनागाछी की सेक्स वर्करों के सवालों के जवाब दिए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं और शिकायतों को दूर करने के लिए मंगलवार को कोलकाता के सोनागाछी क्षेत्र में चुनाव आयोग ने एक विशेष शिविर का आयोजन किया। इस दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल सहित सीईओ कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने स्थानीय मतदाताओं और सेक्स वर्करों के सवालों के जवाब दिए। शिविर में कई सेक्स वर्करों ने बताया कि जिनके बच्चों की उम्र 18 वर्ष से अधिक है और जिन्हें एन्यूमरेशन फॉर्म मिले हैं, उनके फॉर्म में पिता का नाम भरने के दौरान दिक्कतें आ रही हैं। इस पर राज्य के सीईओ ने आश्वासन दिया कि आयोग अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ऐसे मामलों में उचित कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को विशेष रूप से देखा जा रहा है और आवश्यक समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सोनागाछी में लगभग 7000 सेक्स वर्कर रहती हैं, जिनमें से करीब 2100 के फॉर्म भरने से संबंधित समस्याएं सामने आई हैं। 2002 के लिंक्ड रिकॉर्ड से जुड़ी त्रुटियों से लेकर व्यक्तिगत जानकारी भरने की तकनीकी दिक्कतों तक, कई तरह की परेशानियां पाई गईं। इन समस्याओं के निवारण के लिए ही आयोग ने यह विशेष शिविर आयोजित किया। यह क्षेत्र उत्तर कोलकाता की 166 श्यामपुकुर विधानसभा के अंतर्गत आता है, जहां मतदाता सूची संशोधन कार्य के दौरान इस पहल को स्थानीय स्तर पर एक अहम कदम माना जा रहा है। इस पूरे इलाके में चुनाव आयोग की ओर से कुल तीन शिविर लगाए गए थे

गले के हार में लगाया था जीपीएस, एक्सीडेंट के बाद गायब हुई दादी की लोकेशन ट्रैक कर खोज निकाला

मुंबई । मुंबई में एक परिवार ने तकनीकी सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए अपनी लापता बुजुर्ग सदस्य को फिल्मी अंदाज में खोज निकाला। दक्षिण मुंबई में शाम की सैर पर निकली 79 वर्षीय बुजुर्ग महिला अचानक लापता हो गईं, जिससे परिवार में हड़कंप मच गया। हालांकि, उनके पोते की दूरदर्शिता काम आई, जिसने अपनी दादी के गले के हार (नेकलेस) में पहले से ही एक छोटा जीपीएस ट्रैकर फिट कर रखा था। इसी डिवाइस की मदद से परिवार ने कुछ ही देर में दादी की सटीक लोकेशन पता कर ली।

जानकारी के मुताबिक, 3 दिसंबर को सायरा बी ताजुद्दीन मुल्ला नामक यह बुजुर्ग महिला सेवरी इलाके में टहल रही थीं, तभी एक दोपहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने इंसानियत दिखाते हुए घायल बुजुर्ग को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया। इधर, जब दादी काफी देर तक घर नहीं लौटीं और रात गहराने लगी, तो घरवाले परेशान हो गए और उन्हें किसी अनहोनी का डर सताने लगा। इसी घबराहट के बीच पोते मोहम्मद वासिम अय्यूब मुल्ला ने समझदारी दिखाई और दादी के नेकलेस में लगे जीपीएस डिवाइस को मोबाइल पर ट्रैक करना शुरू किया।

नियम-कानून जिंदगी आसान बनाने के लिए हों

लोगों से 30-40 पेज के फॉर्म न भरवाएं, फालतू पेपरवर्क खत्म करें- पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने मंगलवार को कहा कि मैं फालतू पेपरवर्क और 30-40 पेज के फॉर्म का कल्चर खत्म करना चाहता हूं। हमें नागरिकों के दरवाजे पर सर्विस देनी होगी, बार-बार डेटा जमा करने की जरूरत को खत्म करना होगा।'

उन्होंने कहा कि लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें असुविधा नहीं होनी चाहिए। नियम और कानून अच्छे हैं, लेकिन सिस्टम को ठीक करने के लिए लोगों को परेशान करना सही नहीं है। पीएम ने यह बात संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग की संसदीय दल की बैठक में मंत्रियों और सांसदों से कही।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर प्रधानमंत्री का माला पहनाकर

सम्मान किया गया। इस दौरान उन्होंने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार जीत के शिल्पकार हैं। बैठक में रक्षा राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव समेत अन्य नेता भी मौजूद रहे। सरकार ने सेल्फ-सर्टिफिक्रेशन की इजाजत देकर नागरिकों पर भरोसा किया। इस बात पर जोर दिया कि यह भरोसा बिना किसी गलत इस्तेमाल के 10 साल से कामयाबी से काम कर रहा है। ईज ऑफलाइफऔर ईफ ऑफ डूइंग बिजनेस दोनों ही मोदी सरकार की प्राथमिकता है। देश अब पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' फेज में है, जहां सुधार तेजी से और साफइरादे से हो रहे हैं।सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक-केंद्रित हैं, न कि सिर्फआर्थिक या रेवेन्यू-केंद्रित। इसका लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें। पीएम मोदी 11 दिसंबर को ह्छ के सभी सांसदों के लिए विशेष रात्रिभोज का आयोजन करने वाले हैं। इसका उद्देश्य सहयोगी दलों के साथ बेहतर तालमेल, समन्वय और संसद सत्र के दौरान साझा रणनीति तैयार करना बताया जा रहा है।

चुनाव सुधार पर अखिलेश यादव का हमला, ईवीएम पर उठाए सवाल, बैलेट से मतदान की मांग, आयोग की नियुक्ति में पारदर्शिता आवश्यक

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार को संसद में चुनाव सुधार पर हुई चर्चा में केंद्र सरकार व चुनाव आयोग पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव सुधार तभी संभव है जब चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी हो। इसके लिए सबसे पहले चुनाव आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था बदली जानी चाहिए, क्योंकि भाजपा सरकार ने पूर्व में प्रचलित निष्पक्ष व्यवस्था को बदल दिया है। विपक्ष को यह विश्वास होना चाहिए कि आयोग की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका है।अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए क्योंकि ईवीएम पर लगातार संदेह बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सवाल सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई देशों में उठ रहा है। जर्मनी जैसे विकसित देश में ईवीएम को असंवैधानिक मानते हुए बैलेट से मतदान कराया जाता है, तो भारत में ईवीएम से मतदान क्यों कराया जा रहा है? भारत जिन देशों की तकनीक से अपनी तुलना करता है, वे तकनीक में बहुत आगे होने के बावजूद ईवीएम का उपयोग नहीं कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि चुनाव सुधार की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि चुनावी प्रक्रिया को बाहरी नहीं बल्कि भीतर के लोगों ने खराब किया है। चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए खातों में पैसा भेजा जा रहा है। बिहार में 10 हजार रुपये तक दिए गए। भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्षी सरकारों की नीतियों पर रोक लगवाती है।अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव के समय मीडिया की भूमिका भी स्पष्ट होनी चाहिए। सभी दलों को बराबर स्थान मिले, चाहे मीडिया सरकारी हो या निजी।

भाजपा सत्ता में आई तो बंगाल की संस्कृति, भाषा और विरासत को होगा खतरा: ममता बनर्जी

कूच बिहार (एजेंसी)। कूच बिहार में एसआईआर विरोधी एक रैली में सीएम ममता ने जहां केन्द्र की मोदी सरकार पर तमाम आरोप लगाते हुए जुबानी हमले किए। वहीं रैली को संबोधित करते हुए सीएम ने इस मामले में केंद्र की नई शर्तों की एक ड्राफ्ट कॉपी भी फाड़ दी। मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ दिन पहले, हमें नए लेबर कोड पर एक नोटिस मिला। केंद्र सरकार ने 100-दिन की जॉब स्कीम की एलिजिबिलिटी के लिए नई शर्तें लगाई थीं। मैं ऐसी शर्तों से सहमत नहीं हूं। ये शर्तें अपमानजनक हैं। इसलिए मैं नोटिस की एक कॉपी फाड़ रही हूं। यह मेरे लिए कोई सेंट्रल नोटिस नहीं है। बल्कि, यह मेरे लिए सिर्फ एक कोरा कागज है। भाजपा पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि

अगर यह पार्टी बंगाल में सत्ता में आती है तो वह राज्य की संस्कृति, भाषा और विरासत को नष्ट कर देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होते ही राज्य में विधानसभा चुनाव घोषित कर दिए जाएंगे, ताकि कोई इसे अदालत में चुनौती न दे सके। सीएम ने कहा, %हमें केंद्र सरकार से कोई मदद नहीं चाहिए। बंगाल सरकार सभी योजनाएं खुद चला रही है।एक दिन पहले केंद्र ने राज्य को नोटिस भेजकर तिमाही लेबर बजट का ब्यौरा मांगा है। छह दिसंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया।

मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार को 100-दिन की जॉब स्कीम के लिए केंद्र सरकार से अभी तक 51,617 करोड़ रुपये का सेंट्रल फंड नहीं मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे सेंट्रल फंड की परवाह नहीं है। अगर अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस सत्ता में वापस आती है, तो हम राज्य की अपनी 100-दिन की नौकरी स्कीम शुरू करेंगे। साथ ही, उन्होंने कूच बिहार में जिला तृणमूल कांग्रेस लीडरशिप को आपसी लड़ाई और गुटबाजी से बचने की चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने कहा, युद्ध के समय, सबसे ज़रूरी बात एकजुट रहना है।

हत्या की धमकियों से सहमे विधायक हुमायूं कबीर लेंगे हाई कोर्ट की शरण

कोलकाता (एजेंसी)। भरतपुर के निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर ने मंगलवार को कहा कि उन्हें लगातार फोन पर मिल रही हत्या की धमकियों के कारण अब वह बहुत जल्द कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाएंगे और अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग करेंगे।

मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में प्रस्तावित 'बाबरी मस्जिद' का शिलान्यास करने के बाद से राजनीतिक विवाद गहरा गया है और कबीर का कहना है कि तब से उन्हें अपनी जान को लेकर गंभीर खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि धमकी भरे फोन छह दिसंबर की घटना के बाद और तेज़ हो गए हैं। कबीर ने कहा, हर दिन धमकी मिल रही है। कहा जा रहा है कि मुझे मार दिया जाएगा और मस्जिद बनने नहीं दी जाएगी। जब नौशाद सिद्दीकी को सुरक्षा मिल सकती है, तो मुझे भी मिलनी चाहिए। मैं हाई कोर्ट जाऊंगा। फिलहाल निजी सुरक्षा लेकर चल रहा हूं। बेंगलुरु में भी एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, इसलिए अतिरिक्त सुरक्षा ज़रूरी है।

कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के नाम पर शिलान्यास किए जाने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज़ हो गईं। तृणमूल कांग्रेस ने उसी दिन उन्हें निलंबित कर दिया और कहा कि पार्टी में सांप्रदायिक राजनीति की कोई जगह नहीं है। वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने तो यहां तक आरोप लगाया कि कबीर इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। दूसरी ओर विपक्ष ने भी इस घटना की निंदा की है। विवाद के बीच कबीर इस पहल को जारी रखने के लिए दृढ़ दिखाई दे रहे हैं। छह दिसंबर के कार्यक्रम में उन्होंने घोषणा की थी कि मस्जिद निर्माण के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। इसके बाद से रानीनगर स्थित उनके आवास पर दान की नकदी बड़ी मात्रा में पहुंचनी शुरू हो गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ला के स्वास्थ्य लाभ की कामना की

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पहुँचे और वहां उपचाररत भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार श्री विनोद कुमार शुक्ला से मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्री विनोद कुमार शुक्ल भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी

सृजनशीलता, संवेदना और सरल भाषा में गहन अनुभूतियों की अभिव्यक्ति देश और प्रदेश—दोनों को गौरवान्वित करती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा एवं छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा उपस्थित थे।

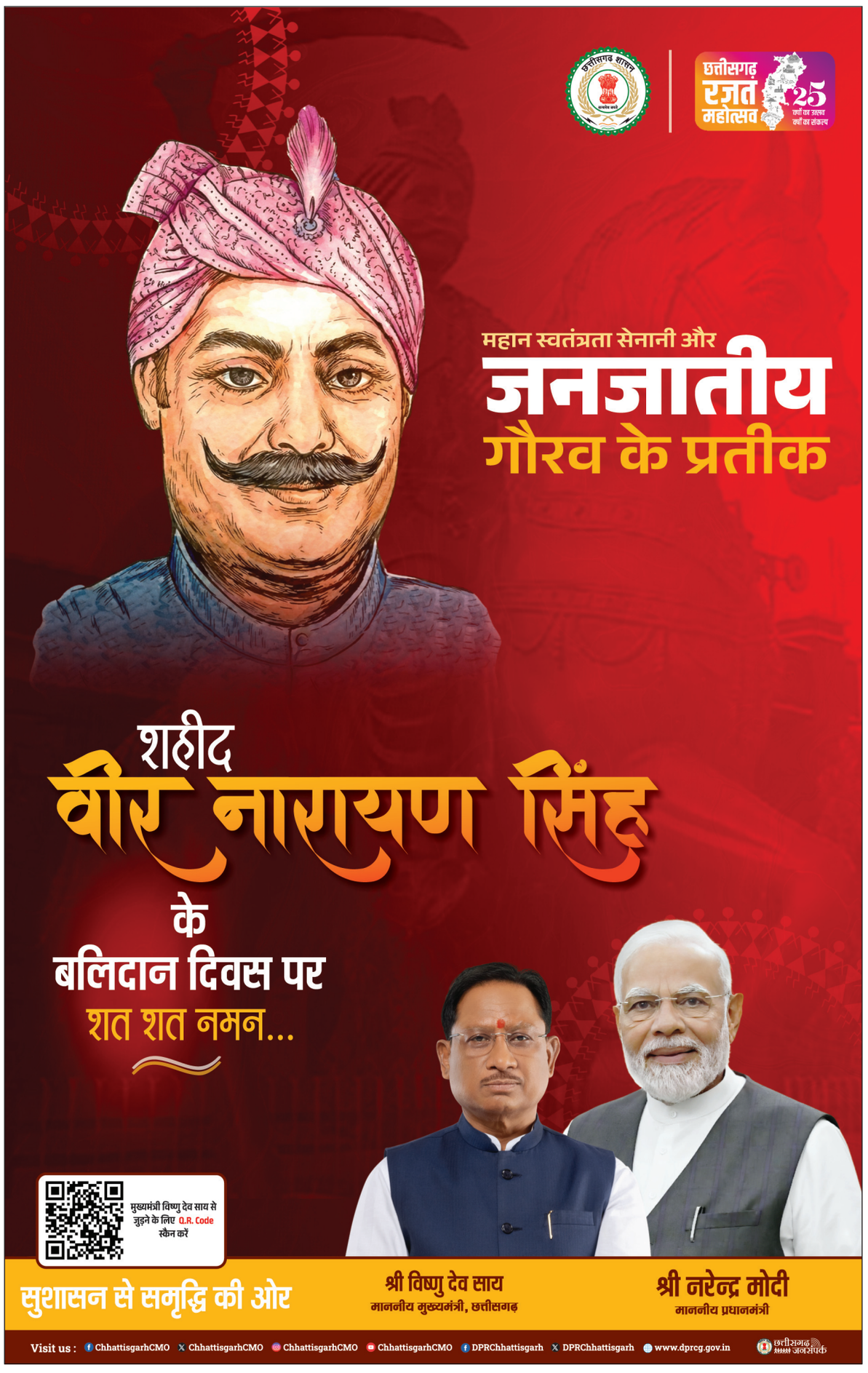

हमें माफ कर दो-सीईओ

सरकार का इंडिगो पर कड़ा एक्शन; एयरलाइन की उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती करने का कड़ा निर्देश दिया है। पिछले हफ्ते क्रू रोस्टर, फ्लाइट शेड्यूल और संचार की कमी जैसे आंतरिक कुप्रबंधन के कारण यात्रियों को हुई भारी असुविधा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय का मानना है कि एयरलाइन के संचालन को स्थिर करने और रद्दीकरण की घटनाओं को कम करने के लिए यह कटौती जरूरी है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद इंडिगो अपने सभी मौजूदा गंतव्यों पर उड़ानें जारी रखेगी।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को मंगलवार को विमानन मंत्रालय में तलब किया गया, जहां उन्होंने हालात को स्थिर करने के लिए किए जा रहे उपायों पर अपडेट दिया। सीईओ ने पुष्टि की है कि 6 दिसंबर तक प्रभावित

उड़ानों के लिए 100ह्न रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंत्रालय ने शेष रिफंड और यात्रियों के फंसे हुए सामान को जल्द से जल्द सौंपने के सख्त निर्देश दिए हैं। इंडिगो को किराया सीमा और यात्री सुविधा उपायों सहित मंत्रालय के सभी निर्देशों का बिना किसी अपवाद के पालन करने को कहा गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 10ह्न की कटौती का उद्देश्य एयरलाइन के सिस्टम पर दबाव कम करना है ताकि जो भी उड़ानें शेड्यूल में रहें, वे समय पर और बिना रद्द हुए चल सकें। इंडिगो को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह उच्च मांग वाले रूट्स पर भी संचालन को सुचारू रखे और किसी भी सेक्टर पर सेवा पूरी तरह बंद न करे।

डीजीसीए की ओर इंडिगो को जारी आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि विंटर शेड्यूल के तहत नवंबर 2025 के लिए एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थान और कुल 64,346 उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। हालांकि, परिचालन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित कर पाई। नवंबर में एयरलाइन की 951 उड़ानें रद्द की गईं।

नोटिस के अनुसार, इंडिगो को समर शेड्यूल 2025 की तुलना में विंटर शेड्यूल में 6ह्न के इजाफे की अनुमति दी गई थी, इसके तहत 403 विमानों के उपयोग की मंजूरी थी। लेकिन एयरलाइन अक्तूबर 2025 में केवल 339 और नवंबर 2025 में 344 विमान ही संचालित कर सकी। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइन ने 2024 की सर्दियों की तुलना में अपने प्रस्थान में 9.66ह्न और इस वर्ष के गर्मियों के शेड्यूल की तुलना में 6.05ह्न की वृद्धि की थी, लेकिन वह इस शेड्यूल का कुशलतापूर्वक संचालन नहीं कर सकी। डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा, एयरलाइन को अपने शेड्यूल को 5ह्न तक घटाने का निर्देश दिया जाता है, यह कटौती विशेष रूप से अधिक मांग और अधिक फेरों वाले उड़ानों में हो।

छत्तीसगढ़ की नई गाइडलाइन दरें लागू, गरियाबंद में मार्ग व कंडिकाओं का व्यापक सरलीकरण

संपत्ति मूल्य निर्धारण में संतुलन, असमान दरों को सुधारकर नई दरें नियमित की गई

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला पंजीयक ने बताया कि कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक द्वारा छत्तीसगढ़ गाइडलाईन दरों का निर्धारण नियम 2000 के प्रावधानों के तहत् उन जिला, जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त, स्थावर संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण से संबंधित गाइड लाइन दर वर्ष 2025-26 को केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड छ0ग0 रायपुर द्वारा अनुमोदित किया गया। 20 नवम्बर 2025 से संपूर्ण छत्तीसगढ़ में लागू की गई है। उन्होंने बताया कि जिला गरियाबंद के नगरीय क्षेत्रों में 7-8 वर्षों से गाइड लाइन दरो में वृद्धि नहीं किये जाने के कारण, संपत्तियों के वास्तविक मूल्य एवं गाइड लाईन दर असंतुलित हो गया। नगर पालिका, नगर पंचायत क्षेत्र के एक ही मार्ग दरों में असमानताए थी। उस से लगे हुए वार्ड के दरों में असमानता थी। जिसे संतुलित करते हुए सही किया गया गया है।नगरीय निकाय क्षेत्रों में एक ही मार्ग का दर अलग-अलग वार्डो में असमानता थी,बहुत सी अनुचित कंडिकाएं थी।जिसे विलोपित कर सही किया गया है।पूर्व में जिला गरियाबंद के नगरीय क्षेत्र नगर पालिका गरियाबंद, नगर पंचायत राजिम, छुरा फिंगेश्वर में कुल 60 वार्डों में 119 कंडिकायें थी। जिसे परिसीमन के आधार सरलीकरण करते 61 कंडिकाये बनायी गई है।

जिले के सभी वार्डो में मार्ग के पहचान को सही किया गया। हर वार्ड में एक ही मार्ग का अलग- अलग नाम होने से मार्ग को लेकर भ्रांतिया पैदा होती थी जैसे गरियाबंद नगर पालिका वार्ड क्रमांक 1 शिव मंदिर से पैरी नदी तक एवं अमित लॉज से हाईस्कूल तक इसे सुधार कर इस कंडिका का नाम राजिम गरियाबंद मुख्यमार्ग किया गया। उसी तरह नगर पंचायत छुरा में वार्ड क्रमांक 1 चमन वेडिंग से त्रिमुर्ति वेडिंग तक को सुधार कर राजिम फिंगेश्वर रोड से शिव चौक होते हुए तिलईदादर की ओर किया गया।उसी तरह नगर पंचायत राजिम में वार्ड 1 सुंदर लाल शर्मा चौक से रायपुर रोड पुल तक दोनो ओर को सुधार कर पेट्रोल पंप से रायपुर रोड पुल की दायी ओर किया गया। इसी तरह जिले के सभी वार्डों में मार्ग एवं कंडिकाओ को सही किया गया। जिससे कि संपत्ति एवं मार्ग दोनों का सही पहचान में आम जनता को आसानी हो सकें।

नगर पालिका गरियाबंद में वार्ड नं 1 साई मंदिर वार्ड के कंडिका क्रमांक 1 एवं 2 एवं वार्ड नं 2 का कंडिका क्रमांक 2 एक ही मार्ग है पर इनका मूख्य मार्गदर 5467,5090 (5500 माना गया) एवं अंदर का मूल्य 3631,3366 (4000 माना गया) को एक ही रोड मानकर मूल्य को रेशनलाईज कर के दर में मात्र 20 प्रतिशत का वृद्धि कर मुख्य मार्ग का मूल्य 6,600 रूपये प्रति वर्ग मी. एवं अंदर का मूल्य 4,800 रूपये किया गया है। इसी तरह जिले के सभी वार्डों में एक ही मार्ग के अलग-अलग दर एवं मार्ग के आमने सामने दरों को समान किया गया।गाईडलाईन में पूर्व में नगरीय क्षेत्र के कृषि भूमि,परिवर्तित भूमि एवं नजूल,आबादी भूमि के लिए अलग-अलग स्लेब दर था जिसे अब सभी प्रकार के भूमियों के लिए स्लेब दर एक ही कर दिया गया। जैसे पहले नगरीय (पालिका) क्षेत्र कि कृषि भूमि की गणना हेक्टेयर दर से कि जाती थी 0.15 हे. तक वर्गफिट के आधार से किया जाता था एवं उससे अधिक होने पर हेक्टेयर दर से किया जाता था परंतु परिवर्तित भूमि को वर्गफिट के आधार पर नगरीय (पालिका) क्षेत्रों में 0.405 तक वर्गफिट के आधार पर ही किया जाता था। जिसे अब कृषि एवं परिवर्तित दोनों के लिए समान 0.15 हेक्टेयर किया गया। जिससे आम जनता को सुधिवा एवं स्टाम्प व पंजीयन शुल्क में भारी छुट मिला। जिले में दो नये नगर पंचायत क्षेत्र देवभोग एवं कोपरा गाईड लाईन में शामिल किया गया।

संक्षिप्त-खबर

गाइडलाइन बढ़ोत्तरी के खिलाफ भड़का गुस्सा, डीएम को सौंपा गया ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जमीन की बढ़ी गाइडलाइन दरों को वापस लेने की मांग को लेकर शहर में विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। जयस्तंभ चौक पर पिछले एक सप्ताह से चल रहे धरना-प्रदर्शन में मंगलवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में लोग जुटे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफनारेबाजी करते हुए कहा कि बढ़ी हुई गाइडलाइन दरें आम जनता के हितों के खिलाफहैं और इसे तुरंत वापस लिया जाए।

धरने के समानांतर विरोध को गति देने के लिए तहसील कार्यालय से एक विशाल बाइक रैली निकाली गई। रैली इमाम चौक, गुरुद्वारा चौक, मानव मंदिर चौक, दुर्गा चौक, बसंतपुर थाना और सदर बाजार मार्ग से होती हुई गंज चौक पहुंचकर समाप्त हुई। पूरे रास्ते प्रदर्शनकारी बैनर-पोस्टर थामे गाइडलाइन वृद्धि का विरोध करते रहे।

रैली के बाद प्रतिनिधिमंडल कलेक्टोरेट पहुंचा और जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर गाइडलाइन दरों में बढ़ोत्तरी वापस लेने की मांग दोहराई। प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द फैसला नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं, नन्हीं बच्ची तेजस्वी को अपनी गोदी में बिठाकर दिया आत्मीय दुलार

बालोद (समय दर्शन)। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मुलाकात कर कलेक्टर मिश्रा ने उनके मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आम लोगों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। आज आयोजित जनदर्शन के दौरान कलेक्टर का एक और आत्मीय एवं संवदेनशील स्वरूप देखने को मिला। इस दौरान उन्होंने जनदर्शन में अपने माता-पिता के साथ पहुँची ग्राम परसोदा की नन्हीं बच्ची कुमारी तेजस्वी को अपने गोद में लेकर अपार स्नेह एवं दुलार देने के साथ-साथ उनका कुशलक्षेम भी पूछा। उल्लेखनीय है कि ग्राम परसोदा की नन्हीं बच्ची कुमारी तेजस्वी को कलेक्टर श्रीमती मिश्रा द्वारा जिले में चलाए जा रहे कुपोषण मुक्ति अभियान के अंतर्गत गोद लेकर उनकी समुचित देखभाल की जा रही है। नन्हीं बच्ची कुमारी तेजस्वी आज अपने माता जागृति एवं पिता भोमेश के साथ मुलाकात करने कलेक्टर जनदर्शन में पहुँची थी। ज्ञातव्य हो कि अनेक मौके पर कलेक्टर मिश्रा का संवेदनशील एवं आत्मीय स्वरूप सहज ही देखने को मिल जाता है।

जनदर्शन में आज ग्राम जुंगेरा के सरपंच ने बंजारी धाम मंदिर में डोम शेड का निर्माण कराने, ग्राम सांगली के ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने, ग्राम भरदाकला की अनुपा बाई एवं गुरूर के नंदूराम ने अतिक्रमण हटाने, ग्राम रेंघई की लता बाई ने दिव्यांग पेंशन दिलाने, रेवती नवागांव के ग्रामीणों ने नल जल योजना का लाभ दिलाने एवं ग्राम बोरगहन के जोहन राम ने गन्ने की खेती हेतु पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री चंद्रकांत कौशिक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

गंभीर लापरवाही पर जिला सीईओ ने किया ग्राम पंचायत गर्रा के सचिव को निलंबित

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रा के सचिव श्री नरेश वर्मा को पदस्थ दायित्वों के निर्वहन में लगातार लापरवाही और उदासीनता बरतने पर निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जनपद पंचायत साजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा भेजी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत गर्रा के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों पर 29 अगस्त 2025 को निरीक्षण किया गया, जिसमें पंचायत कार्यालय बंद पाया गया। इसके अलावा 29 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना एवं छ.ग. राज्य ग्रामीण क्षेत्र विकास प्राधिकरण योजना के तहत अनुमोदित कार्यों की समीक्षा बैठक में भी सचिव अनुपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि निरस्त कार्यों की राशि जमा नहीं करने के संबंध में सचिव को नोटिस जारी किया गया था, जिसका उत्तर आज तक प्रस्तुत नहीं किया गया। आदेशों और निर्देशों की लगातार अवहेलना को गंभीर मानते हुए छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम 1999 के उपनियम 4(1) के तहत प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्री प्रकाश भारद्वाज ने, सचिव नरेश वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत साजा निर्धारित किया गया है। साथ ही, नियमों के अनुसार उन्हें निलंबन भत्ता प्राप्त होगा। उनके स्थान पर श्री लीलूराम पटेल, सचिव ग्राम पंचायत सम्पुरा को ग्राम पंचायत गर्रा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करने पहुंचे उपपंजीयक, बोले किसान सुविधा का ध्यान जरूरी तौर पर रखें

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। उपपंजीयक सहकारिता मंजू पाण्डेय ने बम्हनीडीह विकासखंड के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में खरीदे गये धान का भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने समितियों को निर्देशित किया कि साफ-सुथरे धान की खरीदी करें। किसानों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाये। उपपंजीयक सहकारिता मंजू पाण्डेय ने धान उपार्जन केन्द्र करनौद, पोडीशंकर,लखाली सहित विभिन्न केन्द्रों का निरीक्षण किया और वहां किसानों से खरीदकर रखे गये धान का भौतिक सत्यापन कराया। वहीं धान खरीदी केन्द्र करनौद में निरीक्षण के दौरान आवक रजिस्टर,तौल पत्रक,रकबा समपर्ण कि जानकारी ली,वही किसानों द्वारा तौल कराये गये धानों का तौल कराकर देखा गया जिसमें तौल कि मात्र सही पाई गई। केन्द्र में 1309 किसान पंजीकृत है,जिनमें अभी तक 73 किसानों ने अपना धान बेचा है। यहां 2874 क्विंटल धान की खरीदी की गई है।वही 62 किसानों ने रकबा समपर्ण किया गया।उपपंजीयक ने इस व्यवस्था पर संतोष जताया और उपस्थित कर्मचारियों को यही व्यवस्था आगे भी बनाये रखने के निर्देश दिये।

वहीं उपपंजीयक सहकारिता मंजू पाण्डेय ने धान बेचने के लिये आने वाले किसानों को भी परेशानी न हो। उनके लिये पेयजल और छायादार स्थान की व्यवस्था बनाने हेतु भी निर्देश दिये। वहीं उपपंजीयक मंजू पाण्डेय ने उपस्थित किसानों को टोकन कि जानकारी दी जिसमे 2 हेक्ट. रकबा से कम होने पर 1 टोकन,5 हेक्ट रकबा का 2 टोकन,10 हेक्ट से ऊपर के किसानो को 3 बार टोकन जारी होने कि जानकारी दी गई।

धान खरीदी केंद्रों में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी : कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने मंगलवार को समय सीमा की बैठक में धान खरीदी कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि धान खरीदी कार्य में किसी प्रकार के अनियमितता, लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नोडल एवं जोनल अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि वास्तविक किसानों से ही धान खरीदी किया जाए।बिचौलियों, कोचियों पर लगातार सख्त कार्रवाई किया जाए। किसानों को वजन करने एवं बारदाना में धान भरने हेतु किसी प्रकार का हमालों को भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए सभी धान खरीदी केंद्र में सूचना पटल (डिस्प्ले बोर्ड) में प्रदर्शित किया जाए।कलेक्टर ने सभी नोडल और जोनल अधिकारी सहित एसडीएम को निर्देश दिए कि जिले के सभी धान खरीदी केंद्र, विशेषकर संवेदनशील एवं अति संवेदनशील धान खरीदी केंद्रों में प्रत्येक शनिवार को भौतिक सत्यापन किया जाए। साथ ही स्टॉक में किसी

प्रकार की कमी पाया जाने पर तत्काल कठोर कार्रवाई हेतु प्रस्ताव दिया जाए।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने समय सीमा की बैठक में सीएम जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, पीजीएन पोर्टल, मानव अधिकार एवं विभिन्न जनप्रतिनिधियों से प्राप्त आवेदनों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले में एग्रीस्टेक पंजीयन के बाद भी किसानों के छूटे खसरे को जोड़ने हेतु अभियान चलाकर छूटे खसरा को जोड़ने के निर्देश दिए।कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, आयुष्मान कार्ड, आयुष्मान वय वंदना कार्ड, स्कूलों में विशेष अभियान चलाकर जाति प्रमाण पत्र बनाने, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घर में बिजली उपयोग करने और खेतों में सोलर पंप लगवाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बढ़ते ठंड शीतलहर को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी नगर पंचायत के चौक चौराहो में अलाव जलाने के लिए सभी सीएमओ को निर्देश दिए ताकि आमजन और जरूरतमंद लोगों को अलाव का लाभ दिया जा सके।

जर्जर, खराब सड़कों को शीघ्र मरम्मत करने अधिकारियों को निर्देश

कलेक्टर ने जिले के जर्जर और अतिजर्जर सड़कों का पेंच मरम्मत करने हेतु सभी अधिकारियों (लोक निर्माण विभाग, नेशनल हाईवे, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना) को निर्देश दिए।

भारत माता स्कूल को पार्षद निधि से 14 स्टडी टेबल वितरित किए

दंतेवाडा किरंदुल(समय दर्शन)। वार्ड नंबर 09 के अम्बेडकर भवन के पास स्थित भारत माता स्कूल में पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह की अनुशंसा पर वार्ड 09 की पार्षद लीना सोनी ने अपने पार्षद निधि से बच्चों के बैठने के लिए 14 नग स्टडी टेबल वितरित किए। ये टेबलें नई-नवीन डिज़ाइन की थीं, हल्की लेकिन मजबूत, जिससे छोटे-छोटे छात्रों को पढ़ाई के दौरान आरामदायक बैठने की सुविधा मिल सकेगी।

इसके पश्चात पालिका अध्यक्ष ने कहा, बच्चे देश का भविष्य हैं; उनकी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। शिक्षक प्रतिदिन बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, और नगर पालिका बच्चों की शिक्षा के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। पार्षद लीना सोनी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है; स्कूल ज्ञान का मंदिर है जहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास की नींव रखी जाती है। साथ ही प्राचार्य अंजलि नाग ने पालिका अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से पढ़ाई का माहौल और बेहतर होगा। इस अवसर पर पार्षद लक्ष्मी ठाकुर, गिरजा विश्वकर्मा, देवकी ठाकुर, अमृत टंडन, यशोदा चुन्नम, बी. रूपा रानी, राजकुमार सोनी, पदमा नाग, गायत्री साहू, अनिल मरकाम, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, रवि सरकार, स्कूल संचालन समिति के अध्यक्ष एस.आर. नाग, किरंदुल चैम्बर ऑफकॉमर्स के उपाध्यक्ष संजय सोनी, अन्य मधुकर सीतापा, आशा सीतापा तथा राजनाथ सर उपस्थित थे।

सरसीवा में महाविद्यालय खोलने के लिए क्षेत्रवासीयो ने दिया धरना

सारँगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सरसीवा में स्थापित होने वाले शासकीय महाविद्यालय को सुदूर ग्रामीण क्षेत्र धोबनी में स्थानांतरित करने के खिलाफ आज क्षेत्र की जनता सड़कों पर उतर आई। 8 दिसम्बर को सरसीवा नगर के हृदयस्थल बस स्टैंड परिसर में आयोजित एक दिवसीय विशाल सर्वदलीय धरना प्रदर्शन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, सामाजिक संगठन, युवा वर्ग, अभिभावक एवं हजारों की संख्या में नागरिक एक स्वर में एकत्रित हुए। यह वह क्षण था जब पहली बार सरसीवा में सभी दल एक मंच पर आकर युवाओं के शिक्षा व सरसींवा के हक अधिकार और क्षेत्रीय विकास के लिए एकजुट हुए। कॉलेज को दूरस्थ गांव में ले जाने की कोशिस गौरतलब है कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में पूर्व विधायक चन्द्रदेव राय के प्रयासों से सरसीवा में शासकीय महाविद्यालय खोले जाने संबंधी संपूर्ण प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी थी।

जिसमे स्थान चयन व भू-चिह्नांकन विभागीय अनुशंसा फ़ाइल की मंत्रालय स्तर पर प्रगति, सभी चरण समाप्त हो चुके थे। केवल अंतिम बजट स्वीकृति शेष थी। इसके बावजूद वर्तमान महाविद्यालय को सरसीवा से हटाकर धोबनी जैसे दूरस्थ गांव जहाँ उचित सड़क, परिवहन, बस-सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं - में स्थानांतरित करने की पहल शुरू हो गई, जिससे क्षेत्र की जनता में गहरा आक्रोश है।

इस शिक्षा की लड़ाई में 'सर्वदलीय एकता' ऐतिहासिक धरना स्थल बस स्टैंड परिसर जनसागर में तब्दील हो गया। युवाओं ने शिक्षा बचाओ के नारे लगाए।

जहाँ अभिभावकों ने कहा कि कॉलेज को दूर ले जाना गरीब-बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ है। बड़े घरों के बच्चे आज उच्च शिक्षा प्राप्त करने बड़े शहरों में चले जाते है जहाँ शिक्षा के लिए भुगतना गरीब परिवार के बच्चो को पड़ता है ।

जनप्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से कहा कि सरसीवा के अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं होगा । उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जाति बाहुल्य यह क्षेत्र सरसींवा यहाँ के गंदी राजनीति के चलते उपेक्षित और विकास से कोषों दूर रहा है ।

मुरता में संध्या चौपाल आयोजित, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के कार्यों में तेजी लाने ग्रामीणों को किया जागरूक

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देशन मे प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अपूर्ण एवं नए स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य में गति लाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम मुरता में शुक्रवार शाम 5 बजे संध्या चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को योजना की पात्रता, तकनीकी मानक, किस्त जारी प्रक्रिया और निर्धारित समय सीमा की स्पष्ट एवं विस्तृत जानकारी देना था, जिससे सभी हितग्राही समय पर अपना आवास निर्माण प्रारंभ कर सकें।

चौपाल में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2025-26 में स्वीकृत नए आवासों की सूची ग्राम पंचायत को

प्राप्त हो चुकी है। जिन हितग्राहियों को प्रथम किस्त 40,000 रुपये जारी कर दिए गए हैं, उन्हें तत्काल निर्माण कार्य शुरू कर प्लिंथ स्तर तक कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि जिन हितग्राहियों ने राशि प्राप्त करने के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं किया है, उनके विरुद्ध छत्तीसगढ़ राज्य पंचायती राज अधिनियम के तहत वसूली की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी सहायता का उद्देश्य शीघ्र पक्का मकान उपलब्ध कराना है, इसलिए राशि रोककर रखने या अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम में नवागढ़ जनपद अध्यक्ष श्री खोरबाहरा साहू, एसडीओ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा श्री धमेन्द्र कुमार, विकासखंड समन्वयक (आवास) श्री जनक बंजारे, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने निर्माण सामग्री की उपलब्धता, तकनीकी मानकों से जुड़ी समस्याएं, जियो-टैगिंग में विलंब तथा नरेगा मजदूरी भुगतान जैसी व्यावहारिक समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। अधिकांश शिकायतों का समाधान स्थल पर ही कर दिया गया। संबंधित विभागीय टीमों को निर्देशित किया गया कि किसी भी हितग्राही को तकनीकी बाधा का सामना न करना पड़े और सभी आवास से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

शिक्षकों की समस्याओं को लेकर छ.ग.टीचर्स एसोसिएशन ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

शीघ्र निर्णय लेने कलेक्टर ने दिया प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन

कोरबा (समय दर्शन)। छ.ग.टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर से मुलाकात कर शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा गया जिस पर कलेक्टर महोदय ने शीघ्रता से ठोस निर्णय लेने का प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया गया।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मनोज चौबे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक में विकास खंड स्त्रोत समन्वयक के पद रिक्त पद पर शीघ्र नियुक्ति करने,अनुसूचित क्षेत्र में पदस्थ सभी

कर्मचारियों को 13 दिन की आकस्मिक अवकाश के अतिरिक्त 7 दिन की आकस्मिक अवकाश कुल 20 दिन की आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने,क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा रायगढ़ और बिलासपुर से सेवा पुस्तिका का सत्यापन विभाग द्वारा कराए जाने,सभी शिक्षकों का जीपीएफ पासबुक संधारण करते हुए सभी कर्मचारियों को पासबुक प्रदान करने सहित शिक्षक हितार्थ में आदेश जारी करने कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौपा गया है ।जिस पर कलेक्टर महोदय ने सभी विषयों पर सकारात्मक चर्चा करते हुए पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड स्त्रोत समन्वयक की नियुक्ति आदेश शीघ्र जारी करने संघ के प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया गया। वहीं संघ के पदाधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी को भी ज्ञापन दिया गया जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने ज्ञापन के बिंदु क्रमांक 3 कोष लेखा कार्यालय से सेवा पुस्तिका का सत्यापन कराने के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने त्वरित कार्यवाही करते हुए क्षेत्रीय कार्यालय छ.ग.राज्य संपरीक्षा रायगढ़ से प्रति सप्ताह कम से कम 25 शिक्षकों की सेवा पुस्तिका का उक्त कार्यालय से सत्यापन कराने जिला के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी और प्राचार्यों को आदेश जारी किया गया है।संघ के प्रयास से शिक्षक हितार्थ में त्वरित आदेश जारी होने से शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है। प्रतिनिधि मंडल में प्रमोद सिंह राजपूत प्रदेश संगठन मंत्री, मनोज चौबे जिला अध्यक्ष, नरेंद्र चंद्रा जिला सचिव, सत्य प्रकाश खांडेकर जिला संगठन मंत्री, मनीराम साहू जिला पदाधिकारी शामिल थे।

समितियों में फर्जी बिलों का खेल : अध्यक्ष व शाखा प्रबंधक पर मनमानी के आरोप, समिति प्रबंधक दबाव में

खैरागढ़ (समय दर्शन)। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होते ही सहकारी समितियों में मनमानी और अनियमितताओं का मामला उजागर हो रहा है। कई समितियों में बिना वास्तविक खरीदी के फर्जी बिल तैयार कर राशि निकालने का दबाव बनाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित मुढ़ीपार के अंतर्गत आने वाले भंडारपुर, ईटार, पाड़ादाह, चिचोला और गातापार जंगल समितियों में ऐसी गड़बड़ियों की लगातार सूचना मिल रही है।

समिति प्रबंधकों ने बताया कि धान खरीदी की अग्रिम राशि निकालने का कार्य उन्हीं के माध्यम से किया जाता है, लेकिन समिति अध्यक्ष और शाखा प्रबंधक की कथित मिलीभगत से फर्जी बिल तैयार कर उन्हें बैंक से राशि निकालने मजबूर किया जा रहा है। कई प्रबंधकों का कहना है कि उन्हें यह तक नहीं पता कि किस सामग्री की खरीदी दिखाई गई है और किस दर पर बिल बनाया गया है। धान खरीदी में सूखत क्षति या कमी (शार्टेज) की जिम्मेदारी समिति प्रबंधकों पर होती है, लेकिन सामग्री खरीदी के बिल अध्यक्ष द्वारा बनाकर उन्हें थमा दिए जा रहे हैं। कुछ समिति प्रबंधकों ने लगातार बढ़ते दबाव और गड़बड़ियों के कारण मानसिक तनाव की बात कही है। इसके अलावा भूसा-सुतली की खरीदी भी शाखा प्रबंधक के निर्देश पर की गई बताई जा रही है, जबकि समितियों में भूसा की आवश्यकता ही नहीं है।

दो वर्षों में महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को लेकर किए गए कई महावपूर्ण पहल

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से कवर्धा में महिला सशक्तिकरण को मिली नई दिशा

रायपुर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के महिला शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को लेकर किए गए सतत प्रयासों ने कवर्धा में महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा प्रदान की है। महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना, उनके शिक्षा और रोजगार के लिए की गई पहल के साथ महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को सामाजिक आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की पहचान बन चुकी महतारी वंदन योजना से कवर्धा विधानसभा की 1 लाख 30 हजार से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें प्रति माह 1 हजार रुपये के मान से अब तक 251 करोड़ 63 लाख 96 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है। योजना की 21 किश्तों की राशि खाते में दी जा चुकी हैं, और कुछ दिन पहले 22 वीं किश्त भी जारी कर दी गई है। कई महिलाएं इस राशि का उपयोग अपने बच्चों के बेहतर पढ़ाई लिखाई में कर रही हैं, तो कई ने घर के अन्य खर्चों को वहन करने में किया।

409 कन्याओं का करवाया गया सामूहिक विवाह

श्री विजय शर्मा के प्रयासों से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कवर्धा विधानसभा के 409 कन्याओं का सामूहिक विवाह धूमधाम से संपन्न कराया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री स्वयं बाराती बनकर शामिल हुए और नवयुगल दंपत्तियों को शुभाशीष प्रदान किया।

गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी जांच शिविर, 1 हजार से अधिक लाभान्वित

सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा शुरू की गई है, जिससे अब तक 1000 से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है। समय पर होने वाली जांच से गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की ठीक से मॉनिटरिंग संभव हो

रही है। किसी प्रकार के जटिल और गंभीर मामलों में समय पर इलाज संभव हो सकता है। यह जांच शिविर जच्चा और बच्चा दोनों की सेहत की सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

स्व-रोजगार के लिए 100 से अधिक सिलाई मशीन का वितरण

महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कवर्धा की 100 से अधिक महिलाओं को उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सिलाई मशीन वितरित किया है। ताकि वे अपना खुद का काम शुरू कर सकें। यह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दृष्टि से अभिनव प्रयास है।

लखपति दीदी योजना ने महिला समूहों को दिखाई आर्थिक प्रगति की राह

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें सामाजिक-आर्थिक विकासमूलक योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। कवर्धा विधानसभा में 6,158 स्व-सहायता समूह बनाए जा चुके हैं। आजीविका से जुड़कर यहां की 13,924 महिलाएँ अब 'लखपति दीदी' बनकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं।

महतारी सदन से मिली महिला सशक्तिकरण की नयी पहचान

उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत मंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से कबीरधाम जिले को महतारी सदन योजना के अंतर्गत 19 महतारी सदनों की महत्वपूर्ण सौगात मिली है। यह योजना राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण के प्रति दूरदर्शी सोच और प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर उभरी है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से बदली सोनू की ज़िंदगी, व्यापार में आया सकारात्मक बदलाव

रायपुर। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना नगर पालिका क्षेत्र के पथ विक्रेताओं के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभर रही है। वार्ड क्रमांक 07 बखरूपारा निवासी सोनू कुमार भी इसी योजना के लाभार्थी हैं, जिनकी ज़िंदगी में इस योजना ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। सोनू कुमार कई वर्षों से जिले के विभिन्न साप्ताहिक बाजारों में टॉर्च, प्लास्टिक के खिलौने और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते रहे। सीमित पूंजी और आर्थिक तंगी के कारण उनके व्यापार का विस्तार संभव नहीं हो पा रहा था, जिससे परिवार की जरूरतें पूरी करना भी चुनौतीपूर्ण हो गया था। इसी बीच उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। उन्होंने नगर पालिका कार्यालय में प्रथम किश्त हेतु ऋण आवेदन प्रस्तुत किया, जो निर्धारित प्रक्रिया के बाद शीघ्र स्वीकृत हो गया। प्राप्त ऋण राशि से सोनू ने अपने व्यापार में विविधता लाई और माल की मात्रा बढ़ाई। इसका सीधा लाभ उन्हें आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के रूप में मिला। आज उनकी आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक बेहतर है और वह आत्मविश्वास के साथ अपने कारोबार को आगे बढ़ा रहे हैं। सोनू कुमार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना हम जैसे छोटे पथ विक्रेताओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का सशक्त अवसर भी उपलब्ध कराती है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि एक केंद्रीय योजना है, जिसका उद्देश्य शहरी पथ विक्रेताओं को बिना किसी संपार्श्विक के कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराना है। योजना के तहत पहली किश्त में 10,000 रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाता है, जिसे समय पर चुकाने पर ब्याज सब्सिडी का लाभ भी मिलता है। डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है। लाभार्थियों के व्यापार को निरंतर सुदृढ़ करने के उद्देश्य से योजना में दूसरी किश्त में 20,000 रुपये तथा तीसरी किश्त में 50,000 रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाता है।

डबरी से किसान हिरमाराम की आमदनी हुई दोगुनी

रायपुर। मनरेगा से निर्मित एक छोटी-सी डबरी ने किसान हिरमाराम के जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है। डबरी बनते ही पहली ही बारिश का मौसम उनके लिए सौभाग्य लेकर आया। डबरी पानी से भर गई और हिरमाराम ने धान खेती के साथ-साथ मछली पालन भी शुरू कर दिया। उन्होंने 5 किलो मछली बीज डालकर पालन शुरू किया, जिससे उन्हें हर साल लगभग एक लाख 10 हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी होने लगी।

सुकमा जिले में कलेक्टर और जिला सीईओ के मार्गदर्शन में शासकीय योजनाओं का प्रभाव तेजी से दिखाई दे रहा है। जनहित को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन आजीविका से जुड़ी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचा रहा है। ग्राम पंचायत रामाराम के किसान हिरमाराम, जिनके पास केवल 2 एकड़ जमीन है, पहले सिर्फ बारिश के दिनों में ही खेती कर पाते थे। सिंचाई की सुविधा न होने से बाकी समय खेत खाली रहते थे और परिवार की आय

भी बहुत कम थी। ग्रामसभा में जब उन्हें मनरेगा के तहत डबरी निर्माण की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत आवेदन किया। ग्राम पंचायत ने 2 लाख 94 हजार रुपये की स्वीकृति देकर निर्माण कार्य शुरू कराया।

हिरमाराम खुशी से बताते हैं कि पहले उनकी आय सिर्फ खेती पर निर्भर थी, लेकिन डबरी बनने से उन्हें नियमित आमदनी का नया साधन मिल गया है। वे कहते हैं कि मनरेगा ने मुझे आर्थिक रूप से मजबूत बनाया है। मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन का दिल से धन्यवाद करता हूं। यह डबरी अब उनके परिवार की खुशहाली का स्थायी आधार बन चुकी है।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने फैशन को फास्ट लेन में दौड़ाया

जयपुर: ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने जयपुर में नई रफ्तार पकड़ी, जहां यह हाई-फैशन और मोटरस्पोर्ट के संगम में बदल गया। सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए, जयपुर एडिशन में मोटरस्पोर्ट से प्रेरित डिज़ाइन, ग्लैमरस परफॉर्मेंस वियर और हाई-ऑक्टेन फैशन शोकेस देखने को मिला, जिसने गति और सटीकता के साथ आगे बढ़ते हुए 'फैशन के अगले कदम' को दर्शाया। फैशन डिजाइन कौंसिल ऑफइंडिया (एफडीसीआई) के साथ सहयोग में, इस शोकेस ने रनवे को स्टाइल और पावर के हाई-स्पीड सर्किट के रूप में फिर से कल्पित किया। प्रमुख डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा और अभिषेक पाटनी ने हाई-ऑक्टेन मोटरकोर एस्थेटिक्स को नए रूप में पेश किया, और रेसिंग कल्चर को स्टेटमेंट-मेकिंग फैशन में बदल दिया। बॉलीवुड स्टार हरनाज संधू ने फिनाले शोस्टॉपर के रूप में रनवे पर जलवा बिखेरा, जहां उन्होंने ग्लैमर और स्पीड के फ्यूजन को दर्शाया, जबकि रैप सेंसेशन रफ्तार ने अपनी ऊर्जा से पूरी रात को इलेक्ट्रिफाइंग परफॉर्मेंस के साथ बंद किया, जो शो की धड़कती एनर्जी से मेल खाती थी। यह शो थ्री-लैप रनवे एक्सपीरियंस के साथ आगे बढ़ा, जिसने स्टेज को एक इमर्सिव मोटरस्पोर्ट एरीना में बदल दिया। 'द स्टार्ट लाइन' के रेसिंग सिल्हूट्स से लेकर 'द पिट लेन' के क्रोम-ड्रिवन स्लीक और टैक्टिकल लुक्स तक, और 'द ग्लैम नाइट' की हाई-ऑक्टेन ग्लैमर तक, शो का अंत रोमांचक स्पोर्ट्स कार स्टंट के साथ हुआ, जिसने पूरे माहौल को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। इस अनुभव ने भारत की सांस्कृतिक और रचनात्मक नब्ज को और तेज किया ङ्क तेज, शार्प और न रुकनेवाला और ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर को फैशन को अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ाने वाले इंजन के रूप में स्थापित किया। पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर हमेशा से फैशन और संस्कृति से जुड़ी बातचीत को आकार देने में सबसे आगे रहा है। जयपुर एडिशन ने इस विजन को और आगे बढ़ाया है, जहां हाई-ऑक्टेन मोटरस्पोर्ट और ग्लैमरस हाई-फैशन की दुनिया को जोड़कर एक इमर्सिव अनुभव बनाया गया, जो बोल्डनेस, स्टाइल और इनोवेशन का जश्न मनाता है। डिजाइनर अभिषेक पाटनी ने कहा, ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर हमेशा से रचनात्मकता की सीमाएं तोड़ने का समर्थक रहा है। इस सहयोग के साथ, हमने फैशन को नई गियर में शिफ्ट किया और स्पीड को स्टाइल के साथ जोड़कर यह दिखाया कि फैशन आगे किस दिशा में बढ़ने वाला है। डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा ने कहा, ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने मुझे हाई-ऑक्टेन काउचर को एक अलग, फैशन-फॉरवर्ड स्पेस में लाने के लिए प्रेरित किया है।

जीएलएस यूनिवर्सिटी ने SAE इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर एनिमेशन, VFX और गेम डेवलपमेंट में भारत का पहला ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम लॉन्च किया

अहमदाबाद: GLS यूनिवर्सिटी ने ऑस्ट्रेलिया की SAE इंस्टिट्यूट के साथ मिलकर अपना ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम लॉन्च किया है। यह लॉन्च, भारत में क्रिएटिव मीडिया एजुकेशन के लिए एक ऐतिहासिक पल है। यह इनोवेटिव चार साल का अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम, देश में अपनी तरह का पहला प्रोग्राम है, जो एनिमेशन, VFX और गेम डेवलपमेंट में वर्ल्ड-क्लास बेंचमार्क विशेषज्ञता प्रदान करता है। गुजरात लॉ सोसाइटी द्वारा वर्ष 1927 में स्थापित GLS यूनिवर्सिटी, गुजरात के सबसे प्रतिष्ठित एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन में से एक है। यह भारत का एकमात्र ऐसा इंस्टिट्यूशन है, जो SAE इंस्टिट्यूट के इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता प्राप्त कोर्स और सर्टिफिकेट देने के लिए अधिकृत है। यह सहयोग, SAE इंस्टिट्यूट का भारत में औपचारिक प्रवेश दर्शाता है, जिससे देश की तेज़ी से बढ़ती क्रिएटिव इंडस्ट्रीज़ को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता और मज़बूत होती है।

GLS यूनिवर्सिटी के प्रमुख सुधीर नानावटी और कार्यकारी निदेशक डॉ. चांदनी कपाड़िया की मौजूदगी में ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम के लॉन्च के लिए औपचारिक हस्ताक्षर समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। इस अवसर पर, नेविटास के करियर और इंडस्ट्री डिवीज़न की एजुकेशन पार्टनरशिप हेड, जेना शिलर और साउथ एशिया के मार्केटिंग और रिक्रूटमेंट के जनरल मैनेजर स्टीव हर्ड के साथ-साथ नेविटास के दूसरे सीनियर अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर, त्रस्र यूनिवर्सिटी के प्रमुख सुधीर नाणावटी ने कहा कि, प्रतिष्ठित स्थ्र इंस्टीट्यूट के साथ यह भागीदारी, GLS यूनिवर्सिटी और भारत की शिक्षा प्रणाली के लिए एक माइलस्टोन है। हम अपने छात्र को विश्व स्तरीय शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो उन्हें ग्लोबल क्रिएटिव इकॉनमी में लीडर और इनोवेटर बनने के लिए तैयार करती है। GLS यूनिवर्सिटी की कार्यकारी निदेशक डॉ. चांदनी कपाड़िया ने कहा कि, हमें भारत में एक्सक्लूसिव ग्लोबल बी. डिज़ाइन (ऑनर्स) प्रोग्राम लॉन्च करने के लिए SAE ऑस्ट्रेलिया के साथ भागीदारी करने पर गर्व है। यह सहयोग, छात्रों को एनिमेशन, VFX और गेम डेवलपमेंट में विश्व स्तरीय शिक्षा देकर भारत की तेज़ी से बढ़ती क्रिएटिव इंडस्ट्रीज़ में गैप को कम करता है। हमारा मुख्य उद्देश्य, भारतीय क्रिएटर्स की अगली पीढ़ी को न सिर्फ ग्लोबल मार्केट में सफल होने के लिए मज़बूत बनाना है।

एचआरएस अलुग्लेज़ लिमिटेड पब्लिक ऑफर के माध्यम से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रही है; आईपीओ 11 दिसंबर 2025 को खुलेगा

अहमदाबाद : एचआरएस अलुग्लेज़ लिमिटेड, जो एल्युमिनियम उत्पादों के डिजाइन, निर्माण और इंस्टॉलेशन में संलग्न है, अपनी पब्लिक ऑफर से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी में है। यह पब्लिक ऑफर 11 दिसंबर 2025 को खुलेगा और 15 दिसंबर 2025 को बंद होगा। इस ऑफर के लीड मैनेजर क्यूम्युलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड हैं। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। 50.92 करोड़ रुपये का यह आईपीओ 53.04 लाख इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू से बना है, जिसमें 2.748 लाख शेयरों का मार्केट मेकर पोर्शन शामिल है। सार्वजनिक निवेशकों को कुल 50.29 लाख इक्विटी शेयर पेश किए जाएंगे, जिनका फेस वैल्यू 10 रुपये है, और प्राइस बैंड 94-96 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय में से 18.30 करोड़ रुपये राजोदा, अहमदाबाद में फ्लाड वर्क के लिए असेंबली और ग्लास ग्लेज़िंग लाइन स्थापित करने हेतु फंडिंग केपिट पर खर्च किए जाएंगे, 19 करोड़ रुपये वर्किंग केपिटल्स की जरूरतों के लिए उपयोग होंगे, और शेष राशि सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए रहेगी। रिटेल श्रेणी में कुल 17.85 लाख शेयर उपलब्ध हैं। ईन्डिविड्युअल ईन्वेस्टर्स के लिए न्यूनतम आवेदन 2,400 शेयरों का है, जो ऊपरी प्राइस बैंड 96 रुपये के आधार पर 2,30,400 रुपये के न्यूनतम निवेश के बराबर है। लॉट साइज 1,200 शेयर है। 2012 में स्थापित, एचआरएस अलुग्लेज़ लिमिटेड एल्युमिनियम विंडो, डोर, करटेन वॉल, क्लैडिंग और ग्लेज़िंग सिस्टम के डिजाइन, निर्माण और इंस्टॉलेशन में विशेषज्ञता रखती है।

कंपनी बिल्डर्स, कॉन्ट्रैक्टर्स, आर्किटेक्ट्स और संस्थानों को मानक और कस्टमाइज्ड दोनों तरह के सोल्युशन्स प्रदान करती है, साथ ही मटिरियल सप्लाय और प्रोक्योरमेंट सपोर्ट भी देती है। इसका विनिर्माण संयंत्र गांव राजोदा, तालुका बावला, अहमदाबाद में 11,176 स्क्वेर मीटर क्षेत्र में स्थित है, जिसमें सीएनसी प्रिसिजन मशीनरी और पाउडर कोटिंग सुविधाएं शामिल हैं। मौजूदा संयंत्र के समीप 13,714 वर्ग मीटर के विस्तार का प्रस्ताव है। 30 सितंबर 2025 तक, कंपनी के पास 28 एक्टिव प्रोजेक्ट्स हैं।

संक्षिप्त समाचार

MSEDCL ने बनाया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड; C.R.I. सोलर ने गर्व के साथ दिया ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान

भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की एक ऐतिहासिक सफलता में, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (MSEDCL) ने मात्र एक महीने के भीतर 45,911 सोलर पंपिंग सिस्टम स्थापित करके गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। यह असाधारण उपलब्धि MSEDCL के दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत क्रियान्वयन क्षमताओं और देश के कृषक समुदायों को सशक्त बनाने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

C.R.I. पंप्स के सोलर डिवीजन को इस परिवर्तनकारी सौर पहल का प्रमुख योगदानकर्ता होने पर गर्व है। महाराष्ट्र के 1,686 गाँवों में सोलर पंप स्थापित करके, C.R.I. सोलर ने हज़ारों किसानों को टिकाऊ जल समाधान प्रदान किए हैं। प्रत्येक स्थापना उत्कृष्ट सटीकता, अनुशासित निष्पादन और समन्वित टीमवर्क के साथ पूरी की गई — जो C.R.I. की विशिष्ट क्षमताओं को दर्शाती है। यह उपलब्धि भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने के C.R.I. के व्यापक मिशन से पूर्णत: मेल खाती है। कंपनी अब तक 2,10,000 से अधिक IoT-सक्षम सोलर पंपिंग सिस्टम स्थापित कर चुकी है और पूरे देश में 30.4 लाख BEE स्टार-रेटेड ऊर्जा-कुशल पंपों की तैनाती की है। इन पहलों के माध्यम से भारत ने 7,600 मिलियन kWh ऊर्जा की बचत की है और लगभग 6 मिलियन टन CO2 उत्सर्जन को टालने में सफलता प्राप्त की है। C.R.I. के ये प्रयास समुदायों को स्मार्ट, टिकाऊ और दीर्घकालिक पंपिंग समाधान प्रदान करते हुए निरंतर सशक्त बना रहे हैं। इस उपलब्धि पर C.R.I. समूह के चेयरमैन श्री जी. सुंदरराजन ने कहा: यह गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड केवल एक असाधारण उपलब्धि नहीं है— यह राष्ट्र के गर्व का क्षण है और भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हम MSEDCL के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और भारत को बुद्धिमान, भविष्य-उन्मुख ऊर्जा तकनीकों की ओर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं।

छह दशकों से अधिक समय से, C.R.I. पंप्स ने उद्योगों, शहरों और समुदायों को अत्याधुनिक फ्लूड-मैनेजमेंट समाधान प्रदान कर सशक्त किया है। 10,000+ उत्पादों का मजबूत पोर्टफोलियो, 120+ देशों में वैश्विक उपस्थिति, 22 EEPC एक्सपोर्ट एक्सीलेंस अवॉर्ड, 8 नेशनल एनर्जी कंज़र्वेशन अवॉर्ड, 30,000+ रिटेल आउटलेट्स, और 1,500+ सर्विस सेंटर्स के साथ, C.R.I. विश्वसनीयता, स्थिरता और नवोन्मेष के नए मानक स्थापित कर रहा है। इसका उन्नत Fludyn Technology R&D सेंटर, जिसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है, इसकी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का केंद्र है। इस रिकॉर्ड-सेटिंग उपलब्धि में अपने महत्वपूर्ण योगदान का उत्सव मनाते हुए, C.R.I. सोलर भारत को अधिक हरित, अधिक मजबूत और अधिक आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दोहराता है।

सैमसंग ने इंस्टा मार्ट के साथ साझेदारी की, मेट्रो में 10 मिनट में होगी गैलेक्सी डिवाइसेस की इंस्टेंट डिलीवरी

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज भारत के प्रमुख क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म, इंस्टामार्ट के साथ साझेदारी की है। इसके तहत प्रमुख शहरों में गैलेक्सी रेंज के प्रोडक्ट्से फौरन उपलब्धर कराए जाएंगे। इस सहयोग के माध्यम से, सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन, टैबलेट, वियरेबल्स और एक्सेसरीज़ के व्यापक पोर्टफोलियो तक त्वरित और सुविधाजनक पहुँच प्रदान करेगा। ग्राहक इंस्टामार्ट पर चुनिंदा गैलेक्सी डिवाइस ऑर्डर कर सकते हैं और उन्हें मिनटों के भीतर अपने दरवाजे पर डिलीवर करवा सकते हैं। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के निदेशक, राहुल पाहवा ने कहा, सैमसंग में, हम सार्थक नवाचारों से प्रेरित हैं जो सभी के लिए सुलभ हैं। इंस्टामार्ट के साथ हमारी साझेदारी हमारी ओमनीचैनल रणनीति को मजबूत करने और गैलेक्सी अनुभव को मिनटों में यूजर्स तक उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम है। हम अपने सबसे पसंदीदा डिवाइस को यूजर्स के और करीब ला रहे हैं। इंस्टामार्ट के एवीपी, मनेन्दोर कौशिक ने कहा, इंस्टामार्ट में, हमारा लक्ष्य हमेशा अपने उपभोक्ताओं की बदलती जीवनशैली का अनुमान लगाना और उसके अनुकूल बनना रहा है। सैमसंग के साथ सीधे साझेदारी करके, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उच्च गुणवत्ता वाले डिवाइसेस अब बस कुछ ही टैप और 10 मिनट की दूरी पर हैं, जो तकनीक में सुविधा के सही अर्थ को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। यह साझेदारी सैमसंग की अपनी ओमनीचैनल उपस्थिति का विस्तार करने और उन उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से मेल खाती है जो स्पीकड और पहुंच को महत्व देते हैं। सैमसंग ने इंस्टामार्ट के साथ साझेदारी करके अपने रिटेल इकोसिस्ट्म तंत्र को मजबूत किया है और यह सुनिश्चित किया है कि अलग-अलग प्राइस सेगमेंट वाले उपभोक्ता सुविधा के साथ गैलेक्सी तकनीक का अनुभव कर सकें।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
ZONE- 10

Email:- rmczone10@gmail.com
e-Procurement Tender Notice *Main Portal*
http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT No: 40 RAIPUR, DATED: 09.12.2025

Online bids are invited for the following works of works up to 30.12.2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of works/ Description of work	probabale amount of contract
01	181423	जल विभाग अंतर्गत 02 कुशल एवं 08 अर्द्धकुशल प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से उपलब्ध करने बाबत्।	18.15 lacs

The details can be viewed and downloaded online directly from the government of Chhattisgarh e- Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 09.12.2025, 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal. NIT Deatails and other document

NOTE:

1. All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic. Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISIONER
ZONE- 10
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

संपादकीय

सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा

भारतीय सेना ने सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा अपने धर्मनिरपेक्ष चरित्र के अनुरूप स्थापित की है। अपेक्षित है कि ऐसे सिद्धांतों पर दृढ़ता से अमल किया जाए- चाहे मामला किसी भी धर्मावंबी से जुड़ा हुआ हो। सुप्रीम कोर्ट ने यह उचित व्याख्या की है कि कोई सैनिक भारतीय सेना के सामूहिक आचार-धर्म के ऊपर धर्म की अपनी निजी व्याख्या को तरजीह नहीं दे सकता। इस तरह न्यायालय ने उपरोक्त सैनिक के खिलाफ सेना प्रशासन की कार्रवाई को सही ठहराया। इस सैनिक ने अपने रेजीमेंट के सर्व धर्म स्थल पर जाकर प्रार्थना करने से इनकार कर दिया था। इस रुख पर कायम रहने के कारण सेना से उसे बर्खास्त कर दिया गया, जिस निर्णय को उसने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उसकी तरफ से दलील दी गई कि ईसाई धर्म एक ईश्वर की धारणा में आस्था में रखता है, इसलिए जहां विभिन्न महजबों के धर्मों के पूजा स्थल हों, किसी ईसाई को वहां प्रार्थना करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की खंडपीठ ने इस दलील को ठुकरा दिया। कहा कि इस सैनिक ने सेना के अनुशासन, समरसता और अपने साथियों के लिए सम्मान की भावना के ऊपर 'धार्मिक अहंकार' को प्राथमिकता दी। स्पष्टत: किसी बहु-धर्मीय समाज में ऐसे रुख के साथ समन्वय नहीं बनाया जा सकता। भारतीय सेना ने सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा अपने धर्मनिरपेक्ष चरित्र के अनुरूप स्थापित की है। जो भी भारतीय सेना में भर्ती होता है, उसे इस व्यवहार संहिता का पालन अवश्य करना चाहिए। अपेक्षित है कि ऐसे सिद्धांतों पर ना सिर्फ जोर दिया जाए, बल्कि उस पर दृढ़ता से अमल भी किया जाए- चाहे मामला किसी भी धर्मावंबी से जुड़ा हुआ हो। असल में इस सिद्धांत पर अमल की आवश्यकता सिर्फ सेना में ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े हर क्षेत्र में है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हाल के दशकों में भारत में ऐसे उदात्त सिद्धांतों को कई हलकों से चुनौती दी गई है, जिससे समाज में सद्भाव का माहौल बिगड़ा है। इससे सेना जैसी संस्थाओं को अप्रभावित रखने की चुनौती आज और बढ़ी हुई महसूस होती है। उसके बीच सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक भावना के अनुरूप सर्व-धर्म सद्भाव के महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रशंसनीय निर्णय दिया है। इस निर्णय की भावना को बेहिचक एवं बिना किसी भेदभाव के अंगीकार किया जाना चाहिए।

भारत के मानवाधिकार सवाल

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतंत्र की आत्मा मानवाधिकारों में ही छिपी होती है। हमारा संविधान मनुष्य की गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और सुरक्षा को सर्वोच्च मानता है। फिर भी भारत जैसा विशाल, विविध और जटिल देश कई ऐसी चुनौतियों से जूझता है जो समय-समय पर विश्व मानवाधिकार आयोग (संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद) के सामने आती हैं। इन मुद्दों को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह देश के लिए आलोचना नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का अवसर है। भारत की ताकत इस बात में रही है कि उसने हर चुनौती को स्वीकार किया और सुधार की दिशा में निरंतर कदम बढ़ाए। विश्व मानवाधिकार आयोग के समक्ष भारत से संबंधित पहला बड़ा प्रश्न अकसर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा होता है। वर्षों से घरेलू हिंसा, दहेज से होने वाली मौतें, यौन शोषण, मानव तस्करी और बाल विवाह जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। निर्भया कांड ने देश की आत्मा को झकझोरा और इसके बाद भारत में कानूनी सुधार हुए, समाज में जागरूकता बढ़ी और महिलाओं की सुरक्षा को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया गया। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं कई बार यह सवाल उठाती हैं कि क्या महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। समाज में बदलती मानसिकता और बढ़ती जागरूकता के बावजूद यह चुनौती अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। दूसरा मुद्दा बच्चों के अधिकारों से संबंधित है। संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समिति ने कई बार भारत में बाल श्रम, कुपोषण, स्कूल छोडऩे की समस्या और बाल तस्करी पर चिंता जताई। भारत ने इस दिशा में व्यापक कदम उठाए हैं, फिर भी गरीबी और सामाजिक असमानता के कारण कुछ क्षेत्रों में बच्चे अभी भी मजदूरी और शोषण का शिकार बनते हैं। स्कूलों में शिक्षा के अधिकार का कानून लागू है, मध्याह्न भोजन योजना है और पोषण अभियान भी है, परंतु चुनौती देश की विशाल जनसंख्या और सामाजिक विविधता के कारण अधिक जटिल बनी रहती है। तीसरी बड़ी चुनौती जातिगत भेदभाव और दलित/आदिवासी समुदायों के प्रति होने वाले अत्याचारों से जुड़ी है। संविधान ने अस्पृश्यता को अवैध घोषित किया, परंतु वास्तविकता यह है कि समाज में जातिगत हिंसा की घटनाएं अभी भी सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन घटनाओं को लेकर सवाल किए जाते हैं। भारत का जवाब हमेशा यही रहा है कि न्याय प्रणाली स्वतंत्र है और अत्याचारों के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान है। फिर भी सामाजिक परिवर्तन एक धीमी प्रक्रिया है और अभी भी बहुत आगे जाना बाकी है। धार्मिक स्वतंत्रता और सांप्रदायिक तनाव भी भारत के मानवाधिकार विमर्श का हिस्सा हैं। भारत धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित है और सभी धर्मों को समान सम्मान दिया गया है। इसके बावजूद कुछ सांप्रदायिक घटनाएं या भीड़ हिंसा जैसी घटनाएं अंतरराष्ट्रीय चिंता का कारण बनती हैं। भारत ने हमेशा अपनी स्थिति स्पष्ट रखते हुए कहा है कि अपराधियों पर कार्रवाई होती है और कानून सबके लिए बराबर है। व्यक्तिगत निजता और तकनीकी निगरानी से जुड़े मुद्दे आधुनिक युग में वैश्विक चिंता बन गए हैं। भारत में डिजिटल ढांचा तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसी के साथ नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा भी महत्त्वपूर्ण बन गई है। कुछ तकनीकी निगरानी कार्यक्रमों को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने सवाल पूछे थे कि क्या नागरिकों की निजता सुरक्षित है। भारत ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून के अनुसार ही तकनीक का उपयोग होता है। फिर भी यह क्षेत्र निरंतर बदल रहा है और इसकी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। कश्मीर का मुद्दा भी कई बार अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार रिपोर्टों में शामिल रहा है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद इंटरनेट प्रतिबंध, गिरफ्तारियों और आवाजाही पर कुछ सीमाओं को लेकर चर्चा हुई। भारत ने साफ कहा कि ये कदम सुरक्षा कारणों से उठाए गए थे और यह पूरी तरह भारत का आंतरिक मामला है।

एविएशन सेक्टर मशीन नहीं, मानव चलाते हैं

पंकज जायसवाल

हाल ही में इंडिगो एयरलाइंस से जुड़ी घटना ने एक बार फिर यह सच्चाई उजागर कर दी है कि आधुनिक एविएशन जितना भी टेक्नोलॉजी-ड्रिवन क्यों न दिखे, उसकी रीढ़ आज भी मानव संसाधन ही है। हवाई जहाज़, एयरपोर्ट, रनवे, रडार, सॉफ्टवेयर और ऑटोमेशन ये सभी तभी तक अर्थ रखते हैं, जब तक उन्हें संचालित करने वाला प्रशिक्षित, संतुलित और संतुष्ट मानव संसाधन उपलब्ध है।

सच्चाई यह है कि एविएशन सेक्टर अभी भी पूरी तरह मशीन-डिपेंडेंट नहीं हुआ है और ना हो सकता है। इसका सबसे बड़ा इंजन आज भी इंसान ही है। एक पायलट नहीं होगा तो पाँच सौ करोड़ रुपये का अत्याधुनिक विमान भी केवल धातु का एक ढांचा भर रह जाता है। विमान कोई जनरल श्रेणी का वाहन नहीं है जिसे कोई भी चालक चला सके। यह एक अत्यधिक विशिष्ट मशीन है जिसे केवल प्रशिक्षित, लाइसेंस प्राप्त और मानसिक रूप से संतुलित पायलट ही उड़ा सकता है।

इसका सीधा सा अर्थ यह हुआ कि एक विमान और एक पायलट का मूल्य लगभग बराबर है। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं और दोनों में से किसी एक के बिना दूसरा निष्प्रभावी हो जाता है। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में जो भी विमान उड़ रहे हैं, वे पायलटों के कारण ही उड़ रहे हैं, इसलिए एविएशन इंडस्ट्री में मानव संसाधन प्रबंधन कोई सामान्य एचआर फंक्शन नहीं बल्कि एक क्रिटिकल नेशनल रिस्क मैनेजमेंट फंक्शन भी है।

एयरपोर्ट ऑपरेशन और ग्राउंड हैंडलिंग आज भी पूरी तरह मानव-श्रम आधारित व्यवस्था हैं. चाहे वह एप्रन सर्विस हो, बैगेज हैंडलिंग हो, एयरक्राफ्ट क्लीनिंग, कैटरिंग, फ्यूलिंग, पुशबैक, लोड कंट्रोल या सेफ्टी चेक हो, ये सभी गतिविधियाँ आज भी बड़े पैमाने पर मानव श्रम पर निर्भर हैं। यहाँ एक छोटी-सी ड्यूटी रोस्टर की गलती या शेड्यूलिंग की चूक भी पूरे सिस्टम को पंगु बना सकती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि एक ही विमान एक दिन में देश के कई शहरों के एयरपोर्ट को जोड़ता है। यदि एक स्टेशन पर कोई गड़बड़ी होती है तो उसका असर अगले फ्लाइट सेक्टर पर, अन्य विमानों पर, कई एयरपोर्ट्स की टाइमिंग पर और अंतत: पूरे नेटवर्क पर पड़ता है, यानी एक फ्लाइट की देरी, कई फ्लाइट्स और कई एयरपोर्ट्स की देरी बन जाती है। यही कारण है कि एविएशन सिस्टम को नॉइज़ी चेन भी कहा जाता है जहाँ एक छोटी चूक की गूँज पूरे देश में सुनाई देती है।

इस छोटी चूक के बड़े असर से देश की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है । अक्सर लोग एविएशन संकट को केवल यात्रियों की असुविधा के रूप में देखते हैं जबकि इसका असर इससे कहीं गहरा होता है। हवाई यात्रा आज देश की अर्थव्यवस्था की नस बन चुकी है। देश का शीर्ष प्रबंधन, नीति निर्माता, उद्योगपति, निवेशक, डॉक्टर, इंजीनियर, सैन्य और सुरक्षा से जुड़े अधिकारी सबसे अधिक यात्रा हवाई माध्यम से ही करते हैं। जब फ्लाइट ऑपरेशन बाधित होता है तो बिज़नेस मीटिंग्स कैंसल होती हैं, निवेश निर्णय टलते हैं, जरूरी सेवाओं में देरी होती है, ट्रेवल टूरिज्म उद्योग को नुकसान होता है और आर्थिक गतिविधियाँ ठहर जाती हैं.

यानी एविएशन में मानव संसाधन की चूक का असर केवल एयरलाइन तक सीमित नहीं रहता, वह देश की अर्थव्यवस्था तक पहुँचता है। यहां श्रम असंतोष एक छुपा हुआ लेकिन बड़ा जोखिम है. एविएशन में जोखिम केवल शेड्यूलिंग और रोस्टर तक सीमित नहीं है। यदि इन श्रम संपत्तियों पायलट, ग्राउंड स्टाफ़ एटीसी सपोर्ट स्टाफ को ठीक तरह से प्रबंधित नहीं किया गया तो उनके बीच फैला असंतोष किसी भी एयरपोर्ट या एयरलाइन के संचालन को ठप कर सकता है।

इतिहास गवाह है कि जब-जब एविएशन सेक्टर में श्रमिक असंतोष फैला है, तब-तब यात्रियों को बंधक-सी स्थिति का सामना करना पड़ा है, सरकारों को हस्तक्षेप करना पड़ा है और देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुँचा है.

इसलिए एविएशन में मानव संसाधन जोखिम, वित्तीय या तकनीकी जोखिम से कहीं अधिक संवेदनशील और खतरनाक होता है। चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर (सीएचआरओ) का पद नाम मात्र नहीं, रणनीतिक पद होता है. यहाँ सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है क्या एविएशन कंपनियाँ अपने सीएचआरओ के पद को उतनी ही गंभीरता से ले रही हैं, जितनी सीईओ सीएफओ या सीओओ के पद को? एविएशन जैसी इंडस्ट्री में सीएचआरओ कोई सामान्य एचआर एडमिनिस्ट्रेटर नहीं हो सकता। उसे एविएशन के ऑपरेशनल रिस्क की समझ, ड्यूटी रोस्टर और सेफ्टी रूल्स की संवेदनशीलता , श्रमिक कानूनों और सरकारी निर्देशों की गहरी जानकारी और सबसे बढ़कर, निर्णयों के दीर्घकालिक प्रभावों की दूरदर्शिता आकलन करने की क्षमता होनी चाहिए.

वर्तमान की घटना में ड्यूटी रोस्टर संबंधी सरकारी आदेश महीनों पहले आ चुका था। यदि उसके परिणामों की सही फोरकास्टिंग मानव संसाधन विभाग ने की होती, तो शायद संकट को टाला जा सकता था। यह दिखाता है कि मानव संसाधन प्रबंधन को 'चलता है' के नजरिये से लिया गया और उसकी गंभीरता को कम आंका गया। अब समय है समीक्षा का. आज यह समय है कि सभी एयरलाइंस, एयरपोर्ट ऑपरेटर्स, ग्राउंड हैंडलिंग कंपनियाँ अपने मानव संसाधन विभाग की स्वतंत्र और ईमानदार समीक्षा करें। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सीएचआरओ जैसे संवेदनशील पद पर केवल वही व्यक्ति बैठे जिसे एविएशन का अनुभव हो, उच्च दबाव वाली परिस्थितियों को संभालने की क्षमता हो और राष्ट्रीय हित के दृष्टिकोण से निर्णय लेने की समझ हो.

इसमें सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय की भूमिका भी है. चूँकि एविएशन सेवाएँ सीधे देश के नागरिकों और आवश्यक सेवाओं से जुड़ी हैं, इसलिए बेहतर होगा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय इस संबंध में न्यूनतम योग्यता और अनुभव से जुड़े दिशानिर्देश तय करे। जिस तरह डीजीसीए पायलटों और इंजीनियरों के लिए मानक तय करता है, उसी तरह एविएशन सेक्टर के शीर्ष मानव संसाधन पदों के लिए भी फिट एंड प्रॉपर क्राइटेरिया होना चाहिए अन्यथा, देश, उसकी अर्थव्यवस्था और उसके नागरिक बार-बार ऐसे संकटों में फँसते रहेंगे जिनकी कीमत केवल यात्री ही नहीं बल्कि पूरा राष्ट्र चुकाता है।

इस पूरी घटना और इसके विमर्श का लब्बोलुबाब यह है कि इंडिगो की घटना केवल एक एयरलाइन की समस्या नहीं है. यह पूरे एविएशन इकोसिस्टम के लिए एक चेतावनी है। यह याद दिलाती है कि एविएशन में मशीनें महत्वपूर्ण हैं पर उनसे भी अधिक महत्वपूर्ण हैं इन्हें संचालित करने वाले इंसान। जब तक मानव संसाधन को रणनीतिक, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से प्रबंधित नहीं किया जाएगा, तब तक एविएशन चाहे जितना आधुनिक हो जाए, वह उतना ही असुरक्षित बना रहेगा। आज जो भी हालात सामने आ रहें हैं उसे मानव संसाधन विभाग संभाल सकता था लेकिन यहाँ चूक हो गई है कारण चाहे जो भी हो.

प्रदेशों की राजधानियों में भोपाल अपना अलग स्थान रखता है

अजय दीक्षित

देश के उत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियों का अगर अध्ययन किया जाए तो सबसे शांत मप्र की राजधानी भोपाल ही एक ऐसा शहर है जो प्राकृतिक रूप से काफी सम्पन्न है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ,देश की राजधानी दिल्ली, बिहार की राजधानी पटना , राजस्थान की राजधानी जयपुर, गुजरात की राजधानी गांधीनगर, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई यहां तक कि हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से भी अधिक प्राकृतिक सौन्दर्य बिखरा हुआ है भोपाल में। भोपाल आजादी से पहले एक मुस्लिम प्रिंसली स्टेट थी और नबाब शासक हुआ करता था जिसमें अब के रायसेन, होशंगाबाद,आदि जिले भी थे । कहने को तो रियासत थी भोपाल मगर बहुत छोटी थी । आजादी के बाद बेगम सुल्तान अब जहांनुमा पैलेस से हुक्म चलाती थीं।भोपाल बड़े और छोटे तलाव के साथ 100 किलोमीटर रेडियस में जंगलों से घिरा था । इतिहास कार और मप्र के मुख्य सचिव रहे एम एन बुच ने अपनी पुस्तक डिस्कवरी भोपाल में लिखा है कि भोपाल सतपुड़ा की पहाड़ियों से घिरा एक जंगल ही था जहां बहुत ज्यादा मात्रा में जंगली जानवर थे ।बांस, पाखर, बट,पीपल,का घना जंगल था । जब प्रथम प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू ने 1956 में मध्य प्रदेश राज्य बनाया तब राजधानी बनाने का प्रश्न उत्पन्न हुआ। चूंकि मध्यप्रदेश में विदर्भ, छत्तीसगढ़ ,मध्यभारत,भोपाल, महाकौशल, विंध्य प्रदेश का विलय हुआ था तो ग्वालियर सबसे बड़ी प्रिंसली स्टेट थी।महाराजा जीवाजी राव चाहते थे कि ग्वालियर राजधानी बने उधर इंदौर भी बड़ा शहर था। लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने बात मानी पूर्व राष्ट्रपति और तत्कालीन मुख्यमंत्री भोपाल शंकर दयाल शर्मा की और भोपाल को राजधानी घोषित किया उसमें मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल की भी सहमति थी ।जब विधानसभा भवन की समस्या आयी तो मिंटो हॉल का चयन किया गया था। तत्कालीन समय में भोपाल रोशनपुरा तक ही था जिसमें पुलिस हेडक्वार्टर, मिंटो हॉल,भोपाल स्टेशन, बस स्टैंड, और पुराने भोपाल की बस्ती शामिल थी । आजादी के बाद भोपाल में एम जी एम मेडिकल कॉलेज, मौलाना आजाद इंजीनियरिंग कॉलेज, हमीदिया होस्टिटल, न्यू मार्केट,बनी , 1960 के दशक में भोपाल में राजधानी के हिसाब से बल्लभ भवन, मंत्रियों के आवास 74 बंगले,चार इमली में बंगले, माध्यमिक शिक्षा मंडल, और कई प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य किया गया। अब भोपाल लगभग 20 किलो मीटर रेडियस में है। लेकिन अभी भी देश की पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को छोड़ दें तो भोपाल जैसा सकून, शांति, तापक्रम,बारिश,सफाई, पर्यावरण संरक्षण,कहीं नहीं है।अभी भी मात्र 18 लाख की जनसंख्या है। हालांकि भोपाल में भी बहुत निर्माण कार्य किया गया है। राजधानी क्षेत्र के चलते प्रत्येक विभाग के मुख्यालय, प्रशासनिक अकादमी,ट्रेनिंग सेंटर,नई विधानसभा, नया मंत्रालय, बनाए गए है लेकिन निर्माण कार्य की इजाजत देने वाली संस्थाओं ने पर्यावरण से समझौता नहीं किया है ।नए भोपाल में सिविल सोसाइटी बनी है । भोपाल की खास बात यह भी है कि वहां कोई बहुत बड़ा बाजार नहीं है सभी कुछ बिखरा हुआ है। भोपाल ही एक ऐसा राजधानी क्षेत्र जहां राष्ट्रीय बन अभ्यारण्य भी है।भोपाल की सबसे बड़ी खूब सुरती बड़ा तलाव है जो शायद भारत वर्ष सबसे बड़ा है। केरवा बांध, भदभदा ,कलिया सोत बांध भी जल संरक्षण के है । पूरे भारत में राज्यों की राजधानियों में अगर श्री नगर, देहरादून,गांधीनगर ही महानगरों के माप दंडों में भोपाल जैसे है जिनमें देहरादून तो हिमालय की गोद में बसा है जबकि गांधीनगर गुजरात की राजधानी के रूप में 1966 में अस्तित्व में आया है।

मानवाधिकार दिवस : गरिमा और न्याय के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता

मानवाधिकार दिवस प्रतिवर्ष 10 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (Universal Declaration of Human Rights - UDHR) को अपनाने की याद में मनाया जाता है। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद, मानवता ने यह संकल्प लिया कि ऐसी त्रासदी फिर कभी न दोहराई जाए। मानवाधिकार दिवस हमें याद दिलाता है कि प्रत्येक मनुष्य को जन्म से ही कुछ मौलिक अधिकार और स्वतंत्रताएं प्राप्त हैं, जिनकी रक्षा करना हम सबका सामूहिक दायित्व है।

मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा का महत्व- मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा विश्व इतिहास का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह 500 से अधिक भाषाओं में अनुवादित है, जो इसे विश्व का सबसे अधिक अनुवादित दस्तावेज बनाता है। इसके तीस अनुच्छेदों में उन मूलभूत अधिकारों और स्वतंत्रताओं का वर्णन है जो प्रत्येक मनुष्य के लिए आवश्यक हैं।

घोषणा के अनुच्छेद 1 में कहा गया है: सभी मनुष्य जन्म से स्वतंत्र और गरिमा तथा अधिकारों में समान हैं। उन्हें बुद्धि और अंतरात्मा की देन प्राप्त है और उन्हें भाईचारे की भावना से एक दूसरे के प्रति व्यवहार करना चाहिए। यह वाक्य मानवाधिकारों की नींव रखता है और स्पष्ट करता है कि ये अधिकार जाति, रंग, लिंग, भाषा, धर्म, राजनीतिक या अन्य विचार, राष्ट्रीय या सामाजिक मूल, संपत्ति, जन्म या किसी अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी को समान रूप से प्राप्त हैं।

मानवाधिकारों के विभिन्न आयाम- मानवाधिकार बहुआयामी हैं और इन्हें मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: नागरिक और राजनीतिक अधिकार : इनमें जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, कानून के समक्ष समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता और मतदान का अधिकार शामिल हैं। ये अधिकार व्यक्ति की स्वायत्तता और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।

आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार : इनमें शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार, उचित वेतन का अधिकार, स्वास्थ्य सेवा का अधिकार, भोजन का अधिकार, आवास का अधिकार और सांस्कृतिक जीवन में भागीदारी का अधिकार शामिल हैं। ये अधिकार व्यक्ति के सम्मानजनक जीवन और विकास के लिए आवश्यक हैं।

सामूहिक अधिकार : इनमें आत्मनिर्णय का अधिकार, विकास का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और शांति का अधिकार शामिल हैं। ये अधिकार समुदायों और राष्ट्रों के सामूहिक कल्याण से संबंधित हैं।

भारत में मानवाधिकार- भारतीय संविधान, जो 1950 में लागू हुआ, मौलिक अधिकारों के माध्यम से मानवाधिकारों की सुरक्षा प्रदान करता है। संविधान के भाग ढ्ढढ्ढ में समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार शामिल हैं।

भारत में 1993 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना की गई, जो मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच करता है और उनकी रक्षा के लिए कार्य करता है। राज्य स्तर पर भी मानवाधिकार आयोग कार्यरत हैं।

भारत में मानवाधिकारों की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं जैसे दहेज प्रथा का उन्मूलन, बाल श्रम पर रोक, महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा का अपराधीकरण, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सूचना का अधिकार अधिनियम। फिर भी, व्यावहारिक स्तर पर अभी बहुत काम किया जाना शेष है।

वर्तमान समय में मानवाधिकारों की चुनौतियां- **आज के युग में मानवाधिकारों के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं:** लैंगिक भेदभाव : विश्व के अनेक भागों में महिलाओं और लड़कियों को समान अवसर नहीं मिलते। वे शिक्षा, रोजगार, संपत्ति और राजनीतिक भागीदारी में भेदभाव का सामना करती हैं। घरेलू हिंसा, यौन हिंसा और बाल विवाह जैसी समस्याएं व्यापक हैं।

जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार : विश्व के कई हिस्सों में अल्पसंख्यक समुदायों को उत्पीड़न, हिंसा और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। सांप्रदायिक हिंसा, नस्लवाद और जातिगत भेदभाव गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन हैं।

गरीबी और आर्थिक असमानता : लाखों लोग अभी भी गरीबी में जीवन यापन करते हैं, जिससे उनके मूलभूत अधिकार प्रभावित होते हैं। भोजन, आवास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुंच की कमी उनके विकास को बाधित करती है।

शरणार्थी और प्रवासी संकट : युद्ध, संघर्ष और उत्पीड़न से भागकर लाखों लोग शरणार्थी बन गए हैं। उन्हें सुरक्षित आश्रय, मानवीय व्यवहार और बुनियादी सुविधाओं का अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन कई देश उन्हें अस्वीकार कर देते हैं।

डिजिटल युग में नई चुनौतियां : प्रौद्योगिकी के विकास ने गोपनीयता, निगरानी और सूचना के अधिकार से संबंधित नए प्रश्न खड़े किए हैं। साइबर अपराध, ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल विभाजन नई चुनौतियां हैं।

जलवायु परिवर्तन : जलवायु संकट जीवन, स्वास्थ्य और पर्याप्त जीवन स्तर के अधिकारों को खतरे में डालता है। यह गरीब और कमजोर समुदायों को सबसे अधिक प्रभावित करता है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध : कई देशों में पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और असंतुष्ट आवाजों को दबाया जाता है। मीडिया सेंसरशिप और इंटरनेट पर प्रतिबंध बढ़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा में विभिन्न पक्षों की भूमिका- सरकारों की जिम्मेदारी : सरकारों का प्राथमिक कर्तव्य है कि वे अपने नागरिकों के मानवाधिकारों का सम्मान करें, उनकी रक्षा करें और उन्हें पूरा करें। इसके लिए उचित कानून, नीतियां और संस्थाएं बनानी होंगी। पारदर्शिता, जवाबदेही और कानून का शासन आवश्यक हैं।

नागरिक समाज की भूमिका : गैर-सरकारी संगठन, मानवाधिकार रक्षक, पत्रकार और कार्यकर्ता मानवाधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे उल्लंघनों का दस्तावेजीकरण करते हैं, जागरूकता बढ़ाते हैं और परिवर्तन के लिए अभियान चलाते हैं।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी : प्रत्येक व्यक्ति मानवाधिकारों की रक्षा में योगदान कर सकता है। स्वयं को और दूसरों को शिक्षित करना, भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाना, मानवाधिकार संगठनों का समर्थन करना और अपने दैनिक जीवन में सम्मान और समानता का व्यवहार करना महत्वपूर्ण है।

शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका : मानवाधिकार शिक्षा समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। स्कूलों और कॉलेजों में मानवाधिकारों के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी इन मूल्यों को आत्मसात कर सके।

भारत में विशेष चुनौतियां और प्रगति- भारत जैसे विविधतापूर्ण और विशाल देश में मानवाधिकारों की रक्षा विशेष चुनौतीपूर्ण है। जातिगत भेदभाव, साम्प्रदायिक तनाव, लैंगिक असमानता, बाल श्रम, मानव तस्करी और पुलिस हिरासत में यातना जैसी समस्याएं अभी भी व्याप्त हैं।

हालांकि, सकारात्मक प्रगति भी हुई है। महिलाओं की शिक्षा और रोजगार में भागीदारी बढ़ी है। दलित और आदिवासी समुदायों के लिए आरक्षण की व्यवस्था ने उन्हें अवसर प्रदान किए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम ने पारदर्शिता बढ़ाई है। ट्रांसजेंडर अधिकारों को मान्यता मिली है। समलैंगिकता का अपराधीकरण समाप्त किया गया है।

मानवाधिकार दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमें आत्मचिंतन और संकल्प का अवसर प्रदान करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि मानवाधिकारों की रक्षा एक निरंतर संघर्ष है, जिसमें सतर्कता और समर्पण की आवश्यकता है।

मानवाधिकार केवल कागजों पर लिखे शब्द नहीं हैं; वे हर व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता की नींव हैं। जब तक विश्व में एक भी व्यक्ति उत्पीड़न, भेदभाव या अन्याय का शिकार है, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहना चाहिए।

मानवाधिकार दिवस पर हम उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने मानवाधिकारों के लिए संघर्ष किया है और अपना जीवन समर्पित किया है। साथ ही, हम संकल्प लेते हैं कि हम एक ऐसे विश्व के निर्माण में योगदान देंगे जहां प्रत्येक व्यक्ति स्वतंत्रता, समानता और गरिमा के साथ जीवन व्यतीत कर सके।

मानवाधिकार हमारी साझा मानवता का उत्सव है। यह हमें याद दिलाता है कि हम सब एक हैं और एक व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करना सबके हित में है। आइए, हम इस दिन को मनाते हुए यह प्रतिज्ञा करें कि हम अपने आसपास और विश्व भर में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए काम करेंगे, क्योंकि जब एक व्यक्ति के अधिकारों का हनन होता है, तो हम सभी कमजोर हो जाते हैं।

- वासवी राजू बरडे,
नागपूर, महाराष्ट्र

वास्तु शास्त्र में घर की चौखट का विशेष महत्व

वास्तु शास्त्र में घर की चौखट का बहुत अधिक महत्व है। घर की चौखट की पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाा है कि घर यह घर का एंट्री स्थल है, इसलिए यहां से पॉजिटिव और नेगेटिव एनर्जी आती है, इसलिए इस जगह का वास्तु बिलकुल ठीक होना चाहिए। सबसे पहले घर बनवाते समय घर की चौखट से जुड़े कुछ वास्तु नियमों का धयान रखना चाहिए। वहीं पूजा के बाद भी घर की चौखट से जुड़ी बातों के बारे में आपको पता होना चाहिए। आइए जानें घर की चौखट से जुड़ी बातेंः

- ऐसा कहा जाता है घर की चौखट मां लक्ष्मी से जुड़ी है, इसलिए इस पर पैर ना रखें, इससे देवी-देवताओं का अपमान होता है।
- जिस प्रकार मंदिर में प्रवेश करते समय मंदिर की चौखट को स्पर्श कर आशीर्वाद लेते हैं, उसी प्रकार घर की चौखट का भी अनादर नहीं करना चाहिए।
- घर की चौखट सिर्फ चौखट ही नहीं पूजनीय स्थल है। किसी भी विवाह आदि में सबसे पहले देहरी पूजन किया जाता है।
- अगर घर की चौखट से जुड़ी सभी बातों को माना जाता है, इससे घर में सकारात्मक एनर्जी और मां लक्ष्मी का ही प्रवेश होता है।
- बहुत ही कम लोग जानते हैं कि आपको कभी भी चौखट पर पैर नहीं रखना चाहिए। बाहर जाते समय इस पर पैर न रखें, इसे लांघकर निकलना चाहिए।
- अगर नया घर बन रहा है, तो चौखट लगवाने के लिए आपको किसी ज्योतिष से पूछना चाहिए। चौखट लगाने के लिए सोमवार, बुधवार, गुरुवार, और शुक्रवार शुभ दिन माने जाते हैं।

चौखट को लगाते समय तिथि का रखें ध्यान

चौखट को लगाते हैं तिथियों का भी ध्यान रखें। प्रतिपदा में चौखट लगाने से दुख, तृतीय में लगाने से रोग, चतुर्थी में लगाने से कुल नाश, षष्टी में लगाने से धनहानि, और दशमी, पूर्णिमा, और अमावस्या में लगाने से शत्रु बढ़ते हैं।

- ऐसा कहा जाता है घर की चौखट मां लक्ष्मी से जुड़ी है, इसलिए इस पर पैर ना रखें, इससे देवी-देवताओं का अपमान होता है।
- जिस प्रकार मंदिर में प्रवेश करते समय मंदिर की चौखट को स्पर्श कर आशीर्वाद लेते हैं, उसी प्रकार घर की चौखट का भी अनादर नहीं करना चाहिए।
- वास्तु शास्त्र के मुताबिक चौखट या दहलीज साफ सुथरी और सही हालत में होनी चाहिए।
- वास्तु के मुताबिक लकड़ी से बनी चौखट शुभ मानी जाती है। अगर लकड़ी की चौखट नहीं बनवानी है, तो मार्बल की चौखट बनाई जा सकती है।

खूबसूरत और हेल्दी के लिए डाइट में शामिल करें सुपरफूड

बिजी लाइफ स्टाइल के दौरान खुदको मेंटेन करना एक चैलेंजिग वर्क है। घ ऑफिस और बच्चों क परवरिश में ज्यादातर समय खर्च हो जाता है। इस वजह से महिलाएं अपनी देखभाल करना तक भूल जाती है। इनमें वे महिलाए जो जॉब करती हैं, उनपर डबल जिम्मेदारियों का बोझ आ जाता है। ऐसी महिलाओं को खासतौर पर अपनी देखभाल की और ज्यादा जरूरत होती है। जबकि ऐसा होने की बजाए वे सामान्य से भी कम देखभाल कर पाती हैं। ऐसे में वे समय से पहले उम्रदराज लगने लगत हैं। शरीर में तरह-तरह की बिमारियां जन्म लेने लगती हैं। जैसा कि महिलाओं को हर महीने पीरियड्स जैसी पीड़ा से भी गुजरना होता है। इसलिए महिलाओं को चाहिए कि वे अपने शरीर का बेहतर खयाल रखा करें।

दही– दही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। दही में कैल्शियम की भारी मात्रा होती है। रिसर्च से पता चला है कि रोजाना दही का सेवन करने से ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है। दही वेजाइनल इंफेक्शन और अल्सर का खतरा को भी दूर करता है।

मिल्क और ऑरेंज जूस– बढ़ती उम्र के साथ-साथ शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी हो जाती है। इसलिए महिलाओं को चाहिए कि स्पेशल डाइट लें। जिसमें दूध और संतरे का जूस को शामिल करें। इससे शरीर को कैल्शियम और विटामिन डी भरपूर मात्रा में मिलता है।

टमाटर– बढ़ती उम्र के साथ त्वचा सिकुड़ने लगती है। जिससे फेस के साथ-साथ हाथ-पांव की खूबसूरती कम होने लगती है। ऐसे टमाटर इस्तेमाल करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। टमाटर त्वचा को चमकदार और फिट बनाए रखता है। इसमें लाइकोपीन नामक पोषक तत्व पाया जाता है। यह ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को भी कम करने में मददगार होता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरा हुआ टमाटर हार्ड के लिए भी फायदेमंद होता है।

पालक– महिलाओं को डाइट में हरी सब्जियां ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। इससे शरीर पर्याप्त मात्रा में आयरन मिलता है।

आंवला– महिलाओं को अपने खान-पान में आंवला को जरूर शामिल करना चाहिए। इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, बी, पौटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और मैग्नीशियम से पाया जात है। जो महिलाओं के पेट, आंख, त्वचा और बालों के लिए एक वरदान के रूप में साबित हो सकता है।

सीजनल फल सेहत के लिए फायदेमंद

सीजनल फ्रूट खाना सेहत के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। हेल्दी रहने के लिए हमेशा लोकल मार्केट से फल-सब्जियां लेने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में मार्केट में अंगूर और स्ट्राबेरी खूब मिलते हैं। जिन्हें खाने से कई बार गले में इंफेक्शन की समस्या पैदा हो जाती है। यहीं नहीं पेस्टिसाइड्स की वजह से और भी हेल्थ की दिक्कतें होने लगती हैं। ऐसे में जरूरी है जानना कि अंगूर या स्ट्राबेरी को खाने से पहले किस तरह धोना चाहिए।

फलों पर लगे पेस्टिसाइड हो सकते हैं खतरनाक

फलों पर पेस्टिसाइड का छिड़काव किया जाता है। जिससे कि ये खराब ना हों। अंगूर, स्ट्राबेरी जैसे फल सीधे खाए जातें। इनके छिलके नहीं निकाले जाते। जिसकी वजह से इन पर चिपके पेस्टिसाइड के कण सीधे पेट में चले जाते हैं। खासतौर पर स्ट्राबेरी के हर एक कोने में पेस्टिसाइड चिपक जाते हैं। जिसकी वजह से शरीर को नुकसान हो सकता है।

पेस्टिसाइड शरीर को इस तरह करते हैं नुकसान

गले में हो जाता है इन्फेक्शन
उल्टी आना
चक्कर आना
सिरदर्द होना
एलर्जी की वजह से ये समस्याएं पैदा होती है।

कैसे धोएं अंगूर और स्ट्राबेरी

अंगूर और स्ट्राबेरी जैसे फलों पर लगे पेस्टिसाइड को धोने के लिए सबसे पहले उन्हें गर्म पानी में नमक डालकर करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर बहते पानी से अच्छी तरह से हाथों से रगड़कर साफ करें। अब सारे अंगूर और स्ट्राबेरी को किसी साफ-सूखे तौलिए से पोंछ दें। क्योंकि स्ट्राबेरी में अगर गीलापन रहता है तो उसमें कीड़े लगने का ज्यादा डर होता है। जो कि नुकसानदायक होता है।

महिलाओं के लिए सेल्फ केयर टिप्स

खुद की देखभाल करना बेहद जरूरी है। अक्सर महिलाएं घर और बाहर के काम के चक्कर में अपनी देखभाल नहीं करती। जिसका नतीजा होता है कि वो खुश नहीं रह पाती और अपने आसपास का माहौल भी खुशनुमा नहीं बना पाती। महिलाओं को खुद से ज्यादा फैमिली की चिंता होती है और वो अपनी जरूरतों को नजरअंदाज करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि पहले सेल्फ केयर का प्रयास करें। जिससे खुद को हैप्पी और संतुष्ट कर सकें। खुद का मूड और सेहत अच्छी होने पर आसपास का माहौल भी खुशनुमा नजर आएगा। दिनचर्या के व्यस्त शेड्यूल से अपने लिए इन तरीकों से समय निकालें।

सेल्फ केयर के लिए टाइम निकालें

फैमिली की जिम्मेदारियों के बीच खुद के लिए टाइम निकालना मुश्किल है, लेकिन ये आपको ही करना होगा। अपने लिए थोड़ा सा टाइम निकालें और अपने घर के सदस्यों को इस बारे में जानकारी दें।

पर्याप्त नींद है जरूरी

नींद लेने से केवल शरीर ही नहीं बल्कि माइंड भी रिलैक्स करता है। जिससे आप चिड़चिड़ापन कम महसूस करेंगी और हर वक्त फ्रैश महसूस करेंगी। साथ ही शरीर में एनर्जी भी होगी। जिससे सारे काम फटाफट और आसानी से हो सकेंगे।

योगा क्लास ज्वॉइन करें

अच्छी सोच के लिए अच्छी सेहत जरूरी है। खुद को सेहतमंद रखने के लिए कोई योगा क्लास ज्वॉइन करें। यहीं नहीं अगर आप आलस और थकान दिनभर महसूस करती हैं तो भी योगा क्लास ज्वॉइन करें। इससे आपको माइंड रिलैक्स करने का मौका मिलेगा।

बॉडी को हाइड्रेट करें

शरीर के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी जरूरी है। सुबह उठकर सबसे पहले पानी पीने की आदत डालें। इससे आप दिनभर एनर्जेटिक रहेंगी और शरीर आसानी से रिहाइड्रेट रहेगा। इसके साथ ही मॉर्निंग रूटीन में पानी पीने के काफी सारे फायदे हैं।

अच्छे काम जरूरी है

दिनभर में कोई ऐसा काम जरूर करें जो आपको खुशी दे। सुबह उठकर भगवान को अपनी लाइफ और अपने आसपास की सुविधाओं के लिए धन्यवाद दें। ऐसा करने से आपको दिनभर में कुछ अच्छा काम करने का मोटिवेशन मिलेगा और अपनी लाइफ के प्रति थैंकफुल होंगी।

पर्सनैलिटी को अट्रैक्टिव बनाने के उपाय

बहुत सारे लोगों की समस्या रहती है कि उनकी बातों से लोग इंप्रेस नहीं होते और दूर भागते हैं। ऐसे में उनके सक्सेज पाने के चांस कम हो जाते हैं। अगर आप अपनी बातों को प्रभावशाली बनाना चाहते हैं। जिससे कि लोग आपकी तरफ अट्रैक्ट हो, तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जिसमें ये चीजें शामिल होती है।

मिलनसार स्वभाव :- अक्सर लोग अपने आसपास की दुनिया में इतने मस्त रहते हैं कि बाहरी लोगों से बहुत कम मिलते हैं। जब भी किसी से मिले तो बहुत ही फ्रेंडली तरीके से मिले। बात के दौरान अपनी आवाज में सौम्यता रखें। साथ ही पूरे इंट्रेस्ट के साथ बात करें। इससे लोग आपको आसानी से याद रखेंगे और अगली बार मिलने की कोशिश करेंगे।

हर इंसान से अलग मिले :- अगर आप किसी भीड़ में शामिल हैं, तो ग्रुप में भी मिलते वक्त हर किसी से अलग-अलग मिले और बात करें। इससे आपका इंप्रेशन ज्यादा गहराई से लोगों पर पड़ता है। साथ ही लोग आपको याद रखते हैं।

बहस करने से बचें :- अगर आप किसी से पहली मुलाकात कर रहे हैं, तो उससे बहस या वाद-विवाद करने से बचें। ऐसा करना आपके इंप्रेशन को निगेटिव कर देगा। पहली मुलाकात में किसी भी कंट्रोवर्सी वाले टॉपिक पर बात करने से बचें। साथ ही अगर आप किसी बात पर सहमत नहीं, तो भी उसे असहमति ना जताएं।

हेल्पफुल नेचर :- किसी से मिलते वक्त उसकी मदद का हाथ जरूर बढ़ाएं। हेल्पफुल नेचर के इंसान को लोग लंबे समय तक याद रखते हैं। साथ ही अपने काम में भी ईमानदारी रखें।

नॉलेज जरूरी है :- लोगों को अपनी तरफ अट्रैक्ट करने के लिए अच्छी पर्सनैलिटी और गुड बिहेवियर का होना तो जरूरी है। साथ ही सफलता पाने के लिए नॉलेज भी होनी चाहिए। जिससे कि जब आप किसी से बात करें तो आपकी नॉलेज लोगों को प्रभावित करे और लोग आपकी तरफ अट्रैक्ट हों।

कला स्पंदन आर्ट फेयर

इंडियन आर्ट प्रमोटर द्वारा आयोजित "कला स्पंदन आर्ट फेयर" प्रदर्शनी का नौवां संस्करण आज मुंबई के वरळी स्थित नेहरू सेंटर में शुरू हुआ। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन महाराष्ट्र के सूचना प्रौद्योगिकी और संस्कृतिके मंत्री, श्री आशिष शेलार के हाथों किया गया। उद्घाटन समारोह में उनके साथ कला स्पंदन आर्ट फेयर के संस्थापक एवं क्यूरेटर सुदीप चक्रवर्ती, प्रसिद्ध टीवी और बॉलीवुड अभिनेत्री एकता बी. पी. सिंह, लोकप्रिय टीवी सीरियल शक्तिमान के लेखक बृजमोहन पांडे, और सुप्रसिद्ध कलाकार रामजी शर्मा उपस्थित थे।

देशभर से आए 150 से अधिक कलाकारों की करीब 4500 कलाकृतियाँ इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई हैं। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए संस्थापक सुदीप चक्रवर्ती ने बताया कि यह आर्ट फेयर का नौवां संस्करण है, और इसका मुख्य उद्देश्य देश के दूरदराज़ के गाँवों और पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाले कलाकारों को एक उचित मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी कला को पहचान मिले और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में चित्र प्रदर्शित करने के लिए किसी भी प्रकार का कमीशन नहीं लिया जाता है।

हमारा प्रयास है कि कलाकार अपनी रचनाएँ बहुत ही कम और वहन करने योग्य खर्च में प्रदर्शित कर सकें, और कला प्रेमी सीधे कलाकारों से ही कलाकृतियाँ खरीद सकें, यही इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। 5 से 7 दिसंबर तक, प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक कला प्रेमी इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकते हैं, ऐसी जानकारी भी सुदीप चक्रवर्ती ने दी।

बालों को कंघी करने का क्या है सही तरीका

सही कंघी को चुनें- बालों को झड़ने से रोकने के लिए सही कंघी का चुनना बहुत जरूरी है। बालों के लिए चिकनी और गोल सिरों वाली चौड़े दांतों की कंघी को चुनें। इससे बालों की जड़ों पर तनाव कम होता है। ऐसे में इन्हें टूटने से बचाया जा सकता है।

हल्के हाथ से सुलझाएं- बालों के झड़ने की एक वजह ये भी है कि आप बालों को बहुत तेजी से कंघी करते हैं। बल्कि इसकी जगह हमेशा कंघी करने से पहले बालों को सुलझाने की आदत डालें। उंगलियों की मदद से आप बालों में हुई गांठों और उलझन को हटाएं। जब आप ऐसा करने के बाद बालों की कंघी करते हैं, तो बाल कम झड़ते हैं।

लंबाई से शुरू करें- कंघी करते वक्त ध्यान दें कि हमेशा लंबाई से कंघी करें और फिर धीरे-धीरे जड़ों की ओर बढ़ें। ऐसा करने पर बालों के टूटने का खतरा कम होता है।

गीले बालों को करें अवॉइड- गीले बाल बहुत ज्यादा कमजोर होते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि बाल पूरी तरह से सूख जाएं और फिर कंघी करें। या फिर आप माइक्रो फाइबर तौलिया से बालों के पानी को सुखा दें और फिर कंघी करना शुरू करें।

कंडीशनर का इस्तेमाल करें- बालों पर एक अच्छे कंडीशनर का इस्तेमाल करना अच्छा है। ऐसा करने पर उलझे बालों को आसानी से सुलझाया जा सकता है। कंडीशनर करने से बालों को कंघी करना आसान होगा।

पानी पीने के फायदें

डॉक्टरों का कहना है कि इंसान को अपने शरीर को हमेशा हाइड्रेटेड रखना चाहिए। ऐसा इसीलिए कहा जाता है कि रोजाना पर्याप्त पानी पीने से शरीर के सभी अंग ठीक से काम करते रहते हैं। डॉक्टरों की मानें तो प्रतिदिन 2 लीटर पानी पीना हमारे संपूर्ण शरीर के लिए अच्छा है।

शरीर का तापमानः डॉक्टरों का कहते हैं कि हमें रोजाना 2 लीटर पानी पीना चाहिए, इससे शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद मिलती है। पानी पीने से शरीर की गर्मी न सिर्फ बाहर से बल्कि अंदर से भी कम होती है। मौसम चाहे जो भी हो, खासकर गर्म मौसम में, ढेर सारा पानी पीना टाहिए, जिससे शरीर को हाइड्रेटेड रहे।

पोषणः पानी शरीर शरीर को मिनरल, विटामिन और इलेक्ट्रोलाइट्स सहित कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व देता है। पर्याप्त हाइड्रेशन से पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग होता है।

बॉडी वेस्टः पानी पसीने और मूत्र के माध्यम से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। बाहर निकालने के लिए पानी जरूरी है। पर्याप्त पानी पीने से किडनी बेहतर काम करती है। यह आपके स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बॉडी वेस्ट निर्माण को भी रोकता है।

जिला प्रशासन व अग्रवाल नर्सिंग होम के बीच समझौता अब मोतियाबिंद की इलाज फ्री

अब सरकार उठाएगी पूरा खर्च

बसना(समय दर्शन)। मोतीयाबिंद ऑपरेशन के लिए जिला प्रशासन नर्सिंग होम के बीच समझौता पत्र जारी किया है।

अब मरीजों को मिलेगी अग्रवाल नर्सिंग होम में नि:शुल्क सुविधा ।

महासमुंद जिले में मोतीयाबिंद मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन और बसना स्थित नर्सिंग होम के बीच वर्ष 2025-26 के लिए **memorandum of understanding (MOU)** किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार अब मोतियाबिंद के मरीजों को शासन की गाइडलाइन के अंतर्गत पूरी तरह नि:शुल्क ऑपरेशन सुविधा प्रदान की जाएगी।

सीएमएचओ कार्यालय द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि ऑपरेशन के दौरान आवश्यक सामग्री जैसे - ड्रग एंड कंज्यूमेबल्स, स्यूचर्स, चश्मा, परिवहन, संगठन एवं प्रचार-प्रसार, ड्रहरु वीजोलास्टिक आदि का खर्च शासन द्वारा प्रति सर्जरी ?2000 की राशि से वहन किया जाएगा।

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि,मरीजों को ऑपरेशन के बाद नि:शुल्क रहने और भोजन की सुविधा नर्सिंग होम द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। ऑपरेशन पूर्व आवश्यक जांच भी नि:शुल्क की जाएगी।

शिविर हेतु मरीजों की सूची पूर्व में संबंधित बीईओ, खंड चिकित्सा अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से तैयार की जाएगी। अग्रवाल नर्सिंग होम के संचालक डॉ एन के अग्रवाल एवं सहायक संचालक डॉ अमित अग्रवाल यह जानकारी देते हुए बताया कि, आंखों की समस्याओं से जूझ रहे क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के द्वारा अनेक प्रकार के बीमारी से ग्रस्त मरीजों के सफल इलाज एवं आपरेशन से लोगों ने राहत की सांस ली है। यहां अनेक विभागों के प्रख्यात चिकित्सको की टीम एवं सफल आपरेशन के साथ हर प्रकार की सुविधाओ से लैस उच्च स्तरीय आपरेशन थियेटर ने अग्रवाल नर्सिंग होम बसना को देश प्रदेश में चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में बुलंदियों में पहुंचाया है। इस समझौते से जिले के हजारों जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिलेगा।

जिससे क्षेत्र के लोगों को आंखों में मोतियाबिंद या किसी भी प्रकार की गंभीर समस्या से निजात मिल सकेगी।

संक्षिप्त-खबर

छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती में भीमराम यादव, रूपलाल और कमलेश का चयन

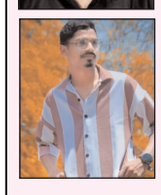

बिर्रा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2025 का रिजल्ट 9 दिसंबर 2025 को जारी किया है। इस भर्ती में ग्राम बिर्रा,पटेल मोहल्ला निवासी भीमराम यादव और संजयनगर बिर्रा से रूपलाल पटेल और गतवा से कमलेश केवट का चयन हुआ है। उनके चयन से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। दोनों युवाओं ने बताया कि वे भर्ती की तैयारी वकेंसी आने से पहले ही शुरू कर चुके थे, जिसका परिणाम उन्हें सफलता के रूप में मिला।साथ ही समीपस्थ ग्राम गतवा के होनहार युवा कमलेश केंवट का भी चयन हुआ है।उनकी इस सफलता पर जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह सरपंच बिर्रा श्रीमती पिलीबाई एकादशिया साहू, सरपंच गतवा भूवनलाल साहू सहित ग्राम पंचायत के पंच प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इसके अलावा प्रेस क्लब बिर्रा के संरक्षक चित्रभानू पांडेय, जितेन्द्र तिवारी, अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद डडसेना,हेमंत जायसवाल,जीवनलाल साहू, एकांश पटेल,संजू साहू, कमल खूंटे,सुनील पटेल व शुभचिंतकों ने युवाओं के उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

भिलाई नगर विधानसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण का कलेक्टर सिंह ने किया निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। भिलाई नगर विधानसभा के सेक्टर-3, 4, 5, 6 एवं सेक्टर-7 के ऐसे बूथ जहां अपशेंट एवं शिफ्टेड की संख्या ज्यादा है। उक्त बुथों का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह ने आज स्वयं निरीक्षण किया। इस दौरान भिलाई नगर विधानसभा के निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री हितेश पिस्दा एवं सुपरवाइजर, बूथ के बीएलओ एवं बीएलए भी उपस्थित थे।

सेक्टर-07 के बूथ 21 के सड़क 35, 36 एवं बूथ 22 के सड़क 31, 33, 34 में कई बिल्डिंग जर्जर स्थिति में हो गए है और वहां आज दिनांक को कोई निवास नहीं करता जिससे वहां के पूर्व निवासी का जिनका वोटर के रूप में नाम आज भी जुड़ा है। निर्वाचन कार्य के इस गहन पुनरीक्षण के दौरान नाम विलोपित किया जाएगा। इसी प्रकार सेक्टर-6 के बूथ 47, 39, 44 में पूर्व समय में बीएसपी द्वारा कई बैंकों, दूरसंचार विभाग को आबंटित भूमि पर बने बिल्डिंग भी आज के समय में जर्जर स्थिति में पाए गए। जिससे वहां के पूर्व वोटर्स का नाम भी विलोपित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अपशेंट और शिफ्टेड वोटर्स की सूची का अवलोकन किया। इसी प्रकार सेक्टर-5 के बूथ 54, सेक्टर-4 के बूथ 67, सेक्टर-3 के बूथ 82 का निरीक्षण किया गया।

26075 किसानों से 1,36,322.68 मे. टन धान की खरीदी की गई, समितियों से धान का उठाव शुरू

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतर्गत 87 सहकारी समितियों के 102 उपार्जन केन्द्रों में अब तक 26075 किसानों से 1,36,322.68 मे. टन धान खरीदी हुई है जिसकी लागत राशि 32,328.87 लाख रूपए है। शासन की पारदर्शी व्यवस्था और तुंहर टोकन के अंतर्गत किसानों को सहुलियतें मिल रही है और वे निर्धारित तिथि अनुसार धान बेचने उपार्जन केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। किसानों को धान बिक्री पश्चात् 27,402.59 लाख रूपए का ऑनलाईन भुगतान हो चुका है। उपार्जन केन्द्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों के लिए समुचित प्रबंध की गई है। धान खरीदी हेतु केन्द्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था है। अब तक 7929 किसानों ने 131.80 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया है। खरीफवर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में 6,16,435 मे. टन धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य निर्धारित है। जिले के समितियों में खरीदे गये धान का उठाव भी शुरू हो गया है। इस हेतु 16,411.60 मे. टन का डीओ/टीओ जारी हो चुका है। जिसमें से 5,150.00 मे. टन धान का उठाव हो चुका है।

हज के लिए जरूरी दस्तावेज से लेकर बताए वहां के तमाम तौर-तरीके

भिलाई (समय दर्शन)। आगामी हज-2026 के लिए चयनित खुशकिस्मतों के लिए एक तरबीयत (प्रशिक्षण) प्रोग्रामगैलेक्सी बैंक्वेट हाल जुनवानी रोड अय्यप्पा नगर में रखा गया। दिन भर चले सत्रों में हज के अरकान को समझाया गया। पहले सत्र में मौलाना दिलशाद ने हज की फ़ज़ीलत कुरान हदीस की रोशनी में रखते हुए बताया कि हर बालिग, साहिबे हैसियत मर्द-औरत पर जिंदगी में एक बार हज फ़र्ज़ है। साहिबे हैसियत वो है जिस पर जकात फ़र्ज़ है ओर वो हज के सफ़र पर पूरा ख़र्च लेकर चले। इस दौरान अपने घरवालों का खर्चा भी छोड़े ताकि सफ़र हज में उसके वारिसों को दूसरों से मांगने की नौबत ना आए। दूसरे सत्र में हज़रत सैय्यद जमीर ने हज जा रहे लोगों को जरूरी कागजी कार्यवाही और पासपोर्ट की दुरुस्तगी और सफ़र हज़ में साथ रखने वाले जरूरी सामानों की फेहरिस्त बताई।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में धान खरीदी व मतदाता पुनरीक्षण की समीक्षा की

अवैध परिवहन पर सती, चेक पोस्टों की निगरानी मजबूत करने के निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके ने आज जिले के सभी जिलाधिकारियों की समय-सीमा की बैठक ली।बैठक में उन्होंने मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम,धान खरीदी की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर,अपर कलेक्टर नवीन भगत सभी विभाग के जिला अधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ,नगरीय निकायों के सीएमओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री उइके ने जिले में समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आबंटित उपार्जन केन्द्रों का समय-समय पर निरीक्षण सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न आए,इसके लिए किसानों से लगातार चर्चा करते रहें।उन्होंने कहा कि किसानों की खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी और सहज बने रहे, इसके साथ ही निगरानी टीमों द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। खरीदी केंद्रों में आवश्यक संसाधन,धान की नमी जांच,तौल उपकरण,मिलान पर्ची व्यवस्था, ऑनलाइन एंट्री,और तौल प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को अपने-अपने केन्द्रों का सतत् निरीक्षण करने टोकन की जानकारी, स्टेकिंग आदि की जानकारी रखने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने चेक पोस्टों के माध्यम से ड्यूटीरत अधिकारियों को धान की आवक और अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों को चेकिंग व्यवस्था को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध परिवहन करते वाहन पाए जाने पर तत्काल सीज कर प्रकरण दर्ज करने कहा है।कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि सभी अवैध जप्त धान को थाना में अनिवार्य रुप से सुपुर्द करें।उन्होंने हर सप्ताह भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट देने के भी निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक एप के माध्यम से जिन किसानों का पंजीयन हुआ है।उनका धान खरीदा जाएगा। एप के माध्यम से जिन किसानों के रकबा एंट्री,वारिसान पंजीयन में त्रुटि हुआ है उनका सत्यापन भी जारी है। पीवी एप से संबंधित सत्यापन का कार्य जारी है। इसलिए किसान यदि पंजीकृत है,तो उनका धान खरीदा जाएगा।

कलेक्टर श्री उइके ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी एआरओ एवं ईआरओ को भरे हुए गणना और घोषणा पत्रों के डिजिटाइजेशन के कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

करोड़ो के दागी प्रभारी को फिर दिया खरीदी का चार्ज, ग्रामीणों में आक्रोश

सेवा सहकारी समिति कोड़ाभाट का मामला, ग्रामीणों ने की जिला कलेक्टर को शिकायत

विष्णु के सुशासन में प्रशासनिक लापरवाही या मिलीभगत का बड़ा खेल

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। सेवा सहकारी समिति मर्यादित कोड़ाभाट में पूर्व में करोड़ों की वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में पदच्युत किए जा चुके विक्रेता सनत कुमार यादव की पुन: नियुक्ति ने जिले की सहकारी प्रणाली की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला सिर्फ एक कर्मचारी के पदच्युति और पुनर्नियुक्ति का नहीं, बल्कि संपूर्ण सहकारिता व्यवस्था, उसके नियमन और प्रशासनिक जवाबदेही के पतन का दर्पण बनकर सामने आया है।शिकायतकर्ता प्रशांत कुमार यादव द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज़ों के अनुसार सनत कुमार यादव के विरुद्ध कोड़ाभाट समिति में विक्रेता और प्रभारी संस्था प्रबंधक रहते हुए करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताएँ पाई गई थीं। जांच के बाद उन्हें पदच्युत किया गया था। यह कार्रवाई केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि तथ्यात्मक अनियमितताओं के आधार पर की गई थी, जिसमें उच्च अधिकारियों को शिकायतें की गई थीं और अनियमितताएँ प्रमाणित पाई गईं।इसके बाद भी यादव ने कूटरचित प्रस्ताव निर्माण कर स्थानांतरण आदेश प्राप्त किया और भैसों समिति में पहुँचे जहाँ वे पुन: अनियमितताओं में पकड़े गए और दूसरी बार पदच्युत हुए। इस प्रकार दो समितियों से पदच्युति होने के बाद भी उनका पुन: नियुक्त हो जाना यह दर्शाता है कि सहकारिता संस्थाओं में अनुशासन और जवाबदेही का ढांचा किस हद तक कमजोर हो चुका है। यह नियम स्पष्ट है, परंतु समिति के जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा इसे ठेगा दिखा दिया गया जिससे यह संदेह और गहरा होता है कि पूरी प्रक्रिया में मिलीभगत से निर्णय लिया गया है।

समिति अध्यक्ष पर गंभीर आरोप निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न

शिकायत में समिति अध्यक्ष छोटेलाल पिता बालचंद सिंह पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने नियमों को दरकिनार करते हुए 09 जुलाई 2025 को सचत कुमार यादव की पुनर्नियुक्ति की और उन्हें धान खरीदी जैसे संवेदनशील कार्य का प्रभारी बना दिया। धान खरीदी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें भारी वित्तीय लेनदेन होता है—ऐसे में अनियमितताओं के इतिहास वाले व्यक्ति को जिम्मेदारी सौंपना स्वयं में प्रशासनिक विवेक का गंभीर दुरुपयोग है।

कूटरचना, गुमराही और भ्रष्टाचार का खेल

शिकायत के साथ प्रस्तुत साक्ष्यों में आरोप लगाया गया है कि समिति प्रस्तावों में कूटरचना की गई, अधिकारियों को गुमराह किया गया,गंभीर वित्तीय अनियमितताओं को छिपाया गया,और सेवा नियमों का खुला उल्लंघन किया गया। ये आरोप केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरी संरचना पर सवाल उठाते हैं। यह मामला अब सहकारी समितियों की साख पर संकट पैदा करने लगा है।

जिला सहकारिता विभाग और जिला प्रशासन की भूमिका क्यों हो रही है देरी

चूंकि प्रकरण सीधा सेवा नियमों, वित्तीय अनुशासन और न्यायिक आदेशों से जुड़ा है, प्रशासन का तत्काल हस्तक्षेप जरूरी था।

पर सवाल यह है कि क्या विभाग ने पुनर्नियुक्ति आदेश की वैधता जाँची

क्या जारी प्रकरण के न्यायिक स्थिति को ध्यान में रखा गया, क्या जिले के उच्च अधिकारियों तक तथ्य व्यवस्थित रूप से पहुँचे, यदि इन प्रश्नों का उत्तर नहीं है, तो यह सहकारिता विभाग और प्रशासन दोनों की निरपेक्षता और जवाबदेही पर गंभीर आक्षेप है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से चार प्रमुख मांगें की सनत कुमार यादव की पुनर्नियुक्ति तत्काल निरस्त की जाए। समिति अध्यक्ष पर सेवा नियम उल्लंघन के लिए कठोर कार्रवाई हो। न्यायालयीन प्रक्रिया प्रचलित रहते नियुक्ति को अवमानना मानते हुए दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। समिति को हुए आर्थिक नुकसान की वसूली दोषी कर्मचारियों से की जाए। अब देखना यह होगा कि क्या जिला प्रशासन इस संवेदनशील मामले में त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई करता है या दागी प्रभारी को अभयदान देगा।

> आपके द्वारा उक्त प्रकरण की जानकारी मिली है उक्त प्रकरण पर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी।
>
> **जन्मेजय महोबे**
> **कलेक्टर, जांजगीर चांपा**

जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की बैठक संपन्न

निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर योजना बंद होने की स्थिति में संबंधित खातों को बंद करने के दिए निर्देश

बालोद (समय दर्शन)। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की बैठक आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने जिले के सभी विभाग एवं कार्यालय प्रमुखों को अपने-अपने विभाग के अंतर्गत लंबे समय तक लेनदेन के अभाव में निष्क्रिय हो चुके खातों को पुन: सक्रिय करने तथा योजना के बंद होने की स्थिति में संबंधित योजना के खातों को बंद कराने के निर्देश भी दिए। श्रीमती मिश्रा ने संबंधित विभाग के सभी अधिकारियों को ऐसे सभी खातों में जमा राशि को निकालकर शासन के खाते में जमा करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर श्री अजय किशोर लकरा, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक दिग्विजय राउत, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री सौरभ जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित थे।

बैठक में पिछले बैठक के कार्यवृत्त के अनुमोदन के अलावा बैंकिंग पैरामीटर सितंबर 2025 की समीक्षा, साख योजना 2025-26 की उपलब्धि पर चर्चा, सभी शासकीय योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के अलावा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के कार्यों की प्रगति के साथ-साथ प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, स्टैण्डअप इंडिया, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के साथ-साथ अंत्यावसायी, अंत्योदय एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना अंतर्गत प्राप्त एवं स्वीकृत प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर लंगेह ने जन चौपाल में सुनी लोगों की समस्याएं

महासमुंद(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में जिले के जनसामान्य की समस्याएं सुनी। कलेक्टर श्री लंगेह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने कहा। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित आवेदन प्रदान कर शीघ्र निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। जन चौपाल में क़र्रापारा बागबाहरा निवासी ओमप्रकाश ने अवैध शराब के विक्रय पर रोक लगाने हेतु आवेदन दिया। इसी तरह ग्राम डोंगरीपाली पिथौरा निवासी सियाराम ने वारिसान हक में धान पंजीयन करने हेतु आवेदन, ग्राम बोरियाझर निवासी रूपा यादव ने निराश्रित पेंशन हेतु, ग्राम लक्ष्मीपुर निवासी योगेश कुमार साहू ने ऑपरेशन एवं सर्जरी के लिए सहायता राशि के लिए, ग्राम खैरझिटी तुमगांव निवासी जानकी बाई मन्नाडे ने खड़ी फ़सल के चोरी संबंधी शिकायत, इमलीभाँटा महासमुंद निवासी दुर्गेश नंदनी कुर्रे ने मृत्यु उपरांत मिलने वाली राशि हेतु आवेदन किए। इसके अलावा धान बेचने में समस्या संबंधी शिकायत, गिरदावरी, एग्रीस्टैक पंजीयन, पीएम आवास, लंबित राशि भुगतान, वन अधिकार पट्टा संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

उपार्जन केन्द्रों का नियमित निरीक्षण एवं धान की तौलाई 40 किलो 700 ग्राम निर्धारित मानक के निर्देश

महासमुंद(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने सोमवार सुबह 10 बजे समय-सीमा की बैठक आयोजित कर जिले में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में धान खरीदी, मतदाता सूची पुनरीक्षण, अवैध परिवहन नियंत्रण, ई-केवाईसी, स्वच्छता मिशन, मनरेगा, आवास योजनाओं सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी नोडल अधिकारियों से पारदर्शिता और सुगमता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि नोडल अधिकारी प्रतिदिन वीसी के माध्यम से धान खरीदी समीक्षा बैठक में शामिल हों और अपने-अपने उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि धान की तौलाई 40 किलो 700 ग्राम के निर्धारित मानक के अनुसार ही होनी चाहिए, अन्यथा संबंधित समिति प्रबंधक पर कार्रवाई की जाएगी।

धान लोडिंग के दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग, तस्वीरों का संकलन और संपूर्ण प्रक्रिया का शॉर्ट वीडियो तैयार करने के निर्देश दिए गए। धान परिवहन में रीसाइक्लिंग रोकने पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों और समिति प्रबंधकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा। साथ ही किसानों को टोकन, नमी परीक्षण, मिलान पर्ची, तौल व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे और ऑनलाइन एंट्री सिस्टम हर समय सक्रिय रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिले के 16 चेकपोस्टों पर धान की आवक और अवैध परिवहन की कड़ी निगरानी रखने को कहा। संदिग्ध वाहनों की जांच कर अवैध परिवहन मिलने पर तुरंत वाहन जब्त करने और मामले दर्ज करने के निर्देश दिए गए। जब्त धान को थाना में सुपुर्द करने और हर सप्ताह भौतिक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा गया।

एग्रीस्टेक एप की समीक्षा में कलेक्टर ने बताया कि पंजीकृत किसानों की ही धान खरीदी की जाएगी। जिन किसानों की रकबा या वारिसान संबंधी प्रविष्टियों में त्रुटियाँ हैं, उन्हें जल्द ठीक किया जा रहा है। उन्होंने गांवों में मुनादी कर छूटे हुए किसानों का पंजीयन कराने को कहा। साथ ही किसानों से अपील की कि वे पराली न जलाएं, क्योंकि ऐसा पाए जाने पर एनजीटी के प्रावधानों के तहत कार्रवाई और अर्थदंड लगाया जा सकता है। उन्होंने किसानों को पैरा दान करने या पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने की सलाह दी।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने एआरओ और ईआरओ को शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का शेष कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जिले के 1083 बीएलओ द्वारा सभी गणना पत्रक वितरित और संग्रहित किए जा चुके हैं।

राशन कार्ड ई-केवाईसी की समीक्षा में कलेक्टर ने बताया कि जिले में अभी भी 1 लाख 41 हजार ई-केवाईसी लंबित हैं, जिन्हें मिशन मोड में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि राशन वितरण के दौरान ही लाभार्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन कराया जाए तथा मृत और अनुपलब्ध सदस्यों का नाम हटाया जाए।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जिन ग्राम पंचायतों में कचरा वाहन उपलब्ध हो चुके हैं, वहां डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

कलेक्टर ने जनपद सीईओ को आवास योजनाओं, मनरेगा कार्यों, पीएम जनमन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जन चौपाल, समय-सीमा पत्रक और राजस्व प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि कुमार साहू सहित सभी विभागीय जिला अधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर-खास

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस सप्ताह का आयोजन सम्पन्न

रायपुर(समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस सप्ताह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, विशेष अतिथि अंजेय शुक्ला एवं प्रबल प्रताप सिंह की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके उपरांत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अचीवर्स अवार्ड सहित ब्लेज़र पूर्व राज्यपाल रमेश बैस के कर कमलों द्वारा प्रदान किए गए। संस्था की संक्षिप्त जानकारी श्रीमती पदमा शर्मा ने प्रस्तुत की। इसके बाद सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन दिए और विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आशीर्वचन प्रदान किए। मुख्य अतिथिपूर्व राजयपाल रमेश बैस ने बच्चों को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में जानकी गुप्ता समाज सेवी ,लता चौधरी, अशोक गुप्ता समाज सेवी सहित लोग शामिल हुए । कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारवि वैष्णव ने किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, अभिभावकों एवं शिक्षा परिवार ने दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस सप्ताह की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

किरंदुल में आवारा कुत्तों का एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन अभियान तेज, अब तक 50 कुत्तों को लगी वैक्सीन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा जिले के सभी नगरीय निकायों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जानवरों से होने वाले संक्रमणों की रोकथाम के उद्देश्य से आवारा कुत्तों का व्यापक एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया है। इस क्रम में किरंदुल में नगर पालिका और पशु चिकित्सालय विभाग की संयुक्त टीम अभियान को तेजी से आगे बढ़ा रही है। नगर पालिका किरंदुल के विभिन्न वार्डों में घूम-घूमकर टीम ने अब तक 50 कुत्तों का सफलतापूर्वक वैक्सीनेशन किया है। प्रतिदिन 15 से 20 आवारा कुत्तों को पकड़ा जा रहा है और सुरक्षित तरीके से उन्हें एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई जा रही है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री शशिभूषण महापात्र ने बताया कि यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा और कुत्तों से फैलने वाली घातक बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लगातार वैक्सीनेशन से शहर में सुरक्षित माहौल बनेगा। अभियान जारी रहेगा ताकि अधिकतम संख्या में पशुओं का टीकाकरण हो सके। यह पहल न केवल स्थानीय निवासियों को रेबीज जैसे घातक खतरे से बचाएगी, बल्कि पशु कल्याण को भी बढ़ावा देगी। प्रशासन की यह सक्रिय पहल स्वस्थ और सुरक्षित किरंदुल के निर्माण की दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण है।

श्रीमद् भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह आज से

भिलाई (समय दर्शन)। स्व. उदयराम पारकर की स्मृति में विष्णु अरोड़ा महाराज का श्रीमद् भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन 10 दिसंबर से 18 दिसंबर तक शिवनाथ नदी के तट पर बसे ग्राम बेलौदी (मालूद) में किया जा रहा है। दोपहर 01 बजे से 05 बजे तक रोजाना होने वाले इस भक्तिमय आयोजन के संबंध में समिति की ओर से दुर्गा प्रसाद पारकर ने बताया कि पहले दिन 10 दिसंबर बुधवार को कलश स्थापना दोपहर 1 बजे से और गौकरण कथा, 11 दिसंबर को परीक्षित संवाद, 12 दिसंबर शुक्रवार को सृष्टि रचना, 13 दिसंबर को ध्रुव चरित्र, प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, 14 दिसंबर को राम चरित्र,कृष्ण जन्म, 15 दिसंबर कृष्ण बाल लीला दही लूट माखन चोरी, 16 दिसंबर मंगलवार गोवर्धन लीला,कंस वध एवं रुकमणी विवाह, 17 दिसंबर सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, चढ़ौत्री, 18 दिसंबर गीता प्रवचन तुलसी वर्षा पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी होगा।

जिले में 8 से 31 दिसम्बर तक सघन कुष्ठ खोज अभियान शुरू किया गया

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यू.एस.नवरत्न के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों में 8 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2025 तक सघन कुष्ठ अभियान चलाया जा रहा है।इसके लिए जिले के कुष्ठ नोडल अधिकरी डॉ.लक्ष्मीकांत जांगड़े ने इस अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए बताए कि ग्रामीण क्षेत्रों में मितानिनों और ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजकों के द्वारा घर-घर भ्रमण कर कुष्ठ कें संभावित मरीजों की पहचान कर उसकी जांच एवं पुष्टी की जायेगी एवं धनात्मक रोगियों का उपचार किया जायेगा।उन्होंने बताया कि कुष्ठ के प्रसार को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि प्रारंभिक अवस्था में ही रोगी की पहचान हो जाने से उसका पूर्ण उपचार कर विकृति से बचाया जा सकता है।

कुष्ठ सर्वे अभियान के सफ्ल संचालन एवं सत्त निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।इस सघन कृष्ठ खोज अभियान में कुष्ठ रोग की पहचान त्वचा की संवेदना जांच कर रोग की पहचान की जायेगी। कुष्ठ की शंका तब की जाने चाहिए जब शरीर के त्वचा में कोई भी दाग या धब्बा जिसमें सुन्नपन हो त्वचा का रंग उस जगह मे तेलिया एवं तांबिया हो या तेलिया चमकदार चेहरा, त्वचा में गठाने एवं मोटापन तथा आँख की पलकों का सामान्य रूप से बंद ना होना, हांथों एव पैरों के तलवों पर सुन्नपन का अभास होना, ठण्ड एवं गर्म चीजों को छुने पर अहसास ना होना आदि कुष्ठ के संभावित लक्षण है। इनमें से कोई भी लक्षण या चिन्ह हो तो तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानीन के पास जा कर अवश्य जांच कराना चाहिए। कुष्ठ की पुष्टि होने के पर इसके पूर्ण उपचार की सुविधा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में नि:शुल्क उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम जनता से अपील की है कि जिले को कुष्ठ मुक्त बनाने हेतु किसी भी प्रकार कुष्ठ की शंका होने पर स्वास्थ्य टीम से जांच करा कर आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

बस्तर रेंज में 1,592 आरक्षकों की भर्ती पूरी: 464 महिलाओं सहित 91 ट्रेड पदों पर चयन, दंतेवाड़ा को 55 पद

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2023-24 की आरक्षक भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। बस्तर रेंज के सातों जिलों में स्वीकृत 1,592 आरक्षक पदों के विरुद्ध चयन एवं प्रतीक्षा सूची आज पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज द्वारा जारी की गई।

भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत 04 अक्टूबर 2023 को विज्ञापन जारी कर हुई थी। बस्तर रेंज में दो भर्ती केंद्र गठित किए गए थे:

केंद्र-1 (जगदलपुर): बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर जिलों के लिए पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा की अध्यक्षता में समिति।

केंद्र-2 (कोंडागांव): नारायणपुर, कोंडागांव एवं कांकेर जिलों के लिए पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा की अध्यक्षता में समिति।

प्रथम चरण में दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक माप-जोख एवं दक्षता परीक्षा 16 नवंबर 2024 से 18 जनवरी 2025 तक 5वीं वाहिनी छसबल कंगोली (जगदलपुर) एवं पुलिस लाइन कोंडागांव में आयोजित की गई। योग्य अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा 14 सितंबर 2025 को कराई गई। आरक्षक (चालक) एवं (ट्रेड) पदों के लिए ट्रेड टेस्ट 17 से 19 नवंबर 2025 तक संपन्न हुआ।

जिला-वार चयनित आरक्षक: नारायणपुर: 470, बीजापुर: 337, बस्तर: 334, सुकमा: 128, कांकेर: 125, कोंडागांव: 103, दंतेवाड़ा: 55

कुल चयनित 1,592 आरक्षकों में 464 महिलाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन उल्लेखनीय है, जो बस्तर पुलिस में महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। इसके अलावा, मोटर वाहन चालक एवं अन्य ट्रेड पदों पर 91 अभ्यर्थियों का चयन हुआ, जिससे पुलिस बल की तकनीकी एवं परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी।

पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टीलिंगम ने कहा, यह भर्ती प्रक्रिया छत्तीसगढ़ शासन की जन-केंद्रित पुलिसिंग नीति को मजबूत करेगी।

गिधवा-परसदा बनेगा देश का प्रमुख पक्षी संरक्षण केंद्र: वन मंत्री केदार कश्यप

बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर का लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का शुभारंभ, 270 से अधिक प्रजातियों को मिलेगा सुरक्षित प्राकृतिक आवास

बेमेतरा (समय दर्शन)। प्रदेश के प्रसिद्ध प्रवासी पक्षी आश्रय स्थल गिधवा-परसदा क्षेत्र में आज छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर का लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हजारों ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और पर्यावरण प्रेमियों की उपस्थिति ने इस ऐतिहासिक क्षण को विशेष बना दिया। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि गिधवा-परसदा पक्षियों के संवर्धन, संरक्षण और पर्यटन के क्षेत्र में देश में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाएगा।

विदेशी और दुर्लभ पक्षियों का सुरक्षित आश्रय

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि इस क्षेत्र में 270 से अधिक प्रजातियों के विदेशी व स्वदेशी पक्षी नियमित रूप से प्रवास करते हैं और स्थानीय जैव विविधता को समृद्ध बनाते हैं। दशकों से यह क्षेत्र साइबेरिया, यूरोप और मध्य एशिया से आए पक्षियों के लिए सुरक्षित प्राकृतिक आवास रहा है। उन्होंने कहा कि बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर के माध्यम से पर्यटक अब पक्षियों के जीवन, व्यवहार, प्रवास चक्र और जैव विविधता को वैज्ञानिक दृष्टि से समझ सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्रवासियों की संवेदनशीलता और भावनात्मक जुड़ाव के कारण यह इलाका देश का अनोखा वेटलैंड बन सका है। आने वाले समय में यह क्षेत्र भारत का सबसे बड़ा बर्ड-वॉचिंग हब बनेगा।

श्री कश्यप ने कहा कि बर्ड सफारी के संचालन से स्थानीय युवाओं को होम-स्टे, गाइडिंग, बोटिंग, ईको-टूरिज्म, लोकल उत्पाद बिक्री और ट्रांसपोर्ट सेवाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि वेटलैंड क्षेत्र को और विकसित करने हेतु सोलर लाइटिंग, बर्ड वॉचिंग टॉवर, सूचना केंद्र, जैवविविधता अध्ययन केंद्र, पार्किंग स्थल और पर्यटक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। वन मंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पक्षियों और जीव-जंतुओं को हमेशा पूजनीय स्थान प्राप्त रहा है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक युग तक पक्षियों को शुभता, समृद्धि और पर्यावरण संतुलन का प्रतीक माना गया है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे जैव विविधता के संरक्षण में जिम्मेदार भूमिका निभाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयालदास बघेल ने कहा कि वे स्वयं इस क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और बचपन से यहां पक्षियों के विचरण को देखते आए हैं।

सेंट स्टीफन माडल स्कूल जगदीशपुर में क्रिसमस का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। जगदीशपुर के सेंट स्टीफन मॉडल स्कूल में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम अत्यंत उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। वही छात्रों और शिक्षकों ने स्कूल परिसर को रंगीन झालरों, गुब्बारों और क्रिसमस ट्री से सुंदर ढंग से सजाया गया था, जो पर्व के माहौल को जीवंत बना रहा था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ तुषार कांति नायक, डॉ खुशबू अग्रवाल अध्यक्ष नगर पंचायत बसना, नरसिंहपुर और जगदीशपुर के सरपंचो की पुस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर स्कूल में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भावपूर्ण करोल गीत से हुई।

बच्चों के द्वारा स्कूल परिसर में 'गाँव का दृश्य' विषय पर रंगीन और जीवंत प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें ग्रामीण जीवन की सादगी और सौंदर्य दर्शाया गया। इस प्रदर्शनी में पुरानी वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया, जो आज इस्तेमाल में नहीं हैं और पुन: उपयोग किए गए मूल सामग्री की कला ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा।

स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों ने झूमते नृत्य, गायन और नाटकीय प्रस्तुतियाँ दीं। जिससे उत्सव की रौनक और बढ़ गई। समारोह का एक खास हिस्सा था, पूर्व छात्रों के साथ संवाद सत्र, जिसमें उनका सम्मान किया गया और उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और वर्तमान छात्रों को मार्गदर्शन दिया गया। स्कूल के प्राचार्य विजय दास, प्राचार्य प्रभारी श्रीमती आशा गुप्ता व प्रबंधन ने इस आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

विशेष बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर में सहभागिता दी अल मदद सोसाइटी ने

भिलाई (समय दर्शन)। अल-मदद फाउंडेशन और वेलफेयर सोसायटी की ओर से विश्व दिव्यांग दिवस पर विशेष बच्चों के लिए संचालित प्रयास स्कूल सुपेला में स्वास्थ्य शिविर में सहभागिता दी गई। जिसमें स्कूल के सभी बच्चों का शंकराचार्य मेडिकल कालेज से आए विशेषज्ञों द्वारा ब्लड टेस्ट,एचबी टेस्ट एवं रूटीन चेकअप किया गया। शिविर में समाज कल्याण विभाग दुर्ग जिला की ओर से बच्चों को व्हील चेयर, बैसाखी और कान की मशीन उपलब्ध कराई गई, वहीं सभी बच्चों को अल मदद सोसाइटी की ओर से नाश्ता वितरित किया गया। अल-मदद सोसायटी की अध्यक्ष अंजुम अली ने इस मौके पर कहा कि इन विशेष बच्चों के लिए हम जितना भी करें वह कम है।

इसलिए समाज के सभी वर्ग को इन बच्चों के लिए आगे आना चाहिए। शिविर में पैथोलॉजिस्ट कौसर खान, डॉ. संजय गुप्ता और डॉ. अमरीन कुरैशी ने विशेष योगदान दिया। वहीं तलत खान सहयोगी रही। स्कूल के सभी शिक्षकों व अन्य स्टाफ के सहयोग से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पिथौरा महाविद्यालय में हुआ विश्व एड्स सप्ताह में विविध कार्यक्रम का आयोजन

पिथौरा(समय दर्शन)। चंद्रपाल डड़सेना शासकीय महाविद्यालय पिथौरा में 6 दिसंबर से 8 दिसंबर के मध्य प्राचार्य डॉ एस एस तिवारी के निर्देशन में रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूथ रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वाधान से एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनांक 06/12/2025 को कार्यक्रम की शुरुवात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस एस तिवारी द्वारा की गई जिसमें उनके द्वारा सभी अधिकारी कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं को एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए शपथ दिलाई गई, तत्पश्चात रेड रिबन प्रभारी टिकेश्वरी द्वारा एच आई वी/एड्स के प्रति सभी लोगों में जागरूकता लाने के लिए रैली निकाली गई। दिनांक 08/12/2025 को महाविद्यालय में छात्र छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें रंगोली, भाषण, नारा लेखन, पोस्टर, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं शामिल थी। उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी शेखर कानूनगो, रेड रिबन प्रभारी टिकेश्वरी तथा उनके साथ सुमन पटेल, योगेश पटेल, वेदश्रुति पटेल, दुष्यंत धृतलहरे आदि अधिकारी कर्मचारी रहे। विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायकों द्वारा परिणाम की घोषणा की गई, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता में सीमा पटेल, भाषण प्रतियोगिता में नूतन कुमार, निबंध प्रतियोगिता में रोहन पटेल, नारा लेखन में सीमा पटेल तथा रंगोली प्रतियोगिता में ज्योति बाधवानी एवं समूह रहे। सभी प्रतियोगिताओं में छात्र छात्राओं द्वारा उत्साह पूर्वक सहभागिता निभाई गई। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन रेड रिबन एवं रेड क्रॉस प्रभारी टिकेश्वरी द्वारा किया गया।

ग्राम समिति का गठन, हिंदू एकता को मिलेगा और बल

फुलझर में विहिप-बजरंग दल की बैठक

राजनांदगांव (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा गांव-गांव में हिंदू समाज को संगठित करने की पहल के तहत फुलझर खंड में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विहिप के विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, बजरंग दल विभाग सहसंयोजक सुनील सेन और विहिप जिला मंत्री त्रिगुण सदानी की मौजूदगी में ग्राम फुलझर की नई समिति का गठन किया गया।

ग्राम फुलझर विश्व हिंदू परिषद की टीम में खंड अध्यक्ष-ईश्वर यादव, खंड उपाध्यक्ष-किशुन यादव, मंत्री-भेवेंद्र साहू, सहमंत्री-शिव भार्गव, डलेश्वर साहू की जिम्मेदारी सौंपी गई।

युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से बजरंग दल की ग्राम समिति इस प्रकार गठित की गई, जिसमें संयोजक-राज यादव, सहसंयोजक-दीपेश यादव, संजय यादव, दीपक यादव, गौरक्षा प्रमुख- ओमप्रकाश यादव, सहगौरक्षा प्रमुख-अर्पण यादव, विजय यादव, खंड अखाड़ा प्रमुख-इलेन्द्र यादव, सहअखाड़ा प्रमुख-पंकज देशमुख, राहुल यादव, साप्ताहिक मिलन प्रमुख-मुक्कू यादव, सहसाप्ताहिक मिलन-रोहन साहू, धीरज यादव, विद्यार्थी प्रमुख-कमलकांत यादव, सहविद्यार्थी प्रमुख-मुकेश देशमुख, परमानन्द, सुरक्षा प्रमुख-न्यू बंजारे,सहसुरक्षा प्रमुख-सागर साहू, किशोर यादव शामिल है।

बैठक में तिलक यादव, जितेस साहू, मिलूराम साहू, मुकेश देशमुख, भोला, सागर साहू, यश साहू, मनेंद्र कुमार, उमेश साहू, योगु मेहर, खुमान साहू और रुद्रप्रताप बंजारे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

नेतृत्वकर्ताओं ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य हर मोहल्ले और हर गांव में जाकर हिंदू परिवारों को जोड़ना है, ताकि समाज अधिक संगठित और सशक्त बन सके। ग्रामों में धर्मांतरण, गौ-तस्करी और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने की बात भी बैठक में उठाई गई।

बैठक में संगठन कार्य विस्तार, सामाजिक समरसता, गौ-रक्षा, युवाओं में राष्ट्रभाव जागरण और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

वर्ष 2012 में प्रभारी मंत्री गरियाबंद जिला पून्नूराम मोहिले जी की घोषणा पर आज तक अमल नही

तालियों की गड़गड़ाहट में मंत्री जी की घोषणा न जाने कहां खो गया ?

भाजपा शासन में कार्यकर्ताओं की सुनने की फुर्सत नहीं राजनेताओं को ...?

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के छुरा नगर में वर्ष 2012 में जिले के प्रभारी मंत्री पून्नूराम मोहिले,सासंद चन्दू लाल साहू ने नगर सुराज कार्यक्रम में नगर के उपस्थित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री मोहिले ने छुरा नगर के वार्ड 13;14;15 के मकानों के छत के उपर से 11 के व्ही विद्युत लाइन को मोहल्ले वासियों के मांग पर हटाने के लिए दस लाख रुपये स्वीकृति की घोषणा किया मंत्री जी के घोषणा पर उपस्थित जन समुहों ने तालियों की गडगडाहट से मंत्री जी की घोषणा का स्वागत किया ! लेकिन मंत्री जी के घोषणा पर अमल आज तक नहीं हुआ , मंत्री जी ने घोषणा तो कर दिया लेकिन विद्युत विभाग गरियाबंद मोहल्ले वासी को डिमांड नोट तेरह साल में चौबीस बार भेज चुका है मंत्री जी की घोषणा को पूरा करने के लिए छुरा नगर के मोहल्ले वासी पैसा विद्युत विभाग गरियाबंद को भुगतान करें तब मंत्री जी की घोषणा पूरा होगा,मोहल्ले वासी जब जब मंत्री मुख्यमंत्री कलेक्टर गरियाबंद को स्मरण पत्र भेजते हैं तब तब बिजली विभाग गरियाबंद के अधिकारी डिमांड नोट भेजकर पैसा पटाने के लिए नोटिस थमा देते हैं।मंत्री जी की घोषणा पूरा करने के लिए जनता की जेब खाली होने के कारण समस्या का समाधान के लिये गरियाबंद कलेक्टर आफिस से बिजली विभाग,नगर पंचायत छुरा के बीच तेरह साल से कागजी कार्यवाही कछुआ गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ,सांसद , विधायक तत्कालीन कलेक्टर दीपक अग्रवाल को पुन: स्मरण कराया गया है क्या घोषणा पर अमल हो गा कि पांच साल तक कागजी घोषणा दौड़ेगा।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, Roshani Sahu, Husband Mr. Vikas Sahu, age 30, resident of 102, Komal Para, Village Konka, Tehsil Dhamdha and Distric Durg (C.G.), 491331 have Change my old name Roshani, So in future I should be recognized by my new name Roshani Sahu, Husband Mr.Vikas Sahu, that is in all my government/ semi government /financial institutions and other documents.

**Roshani Sahu
Husband Mr. Vikas Sahu, resident of 102, Komal Para, Village Konka, Tehsil Dhamdha and Distric Durg (C.G.) 491331**

शपथकर्ता
समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय
बसना जिला-महासमुन्द (छ. ग.)
//ईश्तहार//

सुरेश भोई पिता/पति अकुर भोई उम्र 65 वर्ष निवासी रसोदा तहसील बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.) निम्नानुसार शपथपूर्वक सत्य कथन करता हूं-:

यह की मेरे बड़े पिता नाम लैखन भोई पिता/पति मुरली भोई का मृत्यु दिनांक 18.08.2006 को ग्राम रसोडा तत्कालिक थाना बसना तहसील बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.)में हुआ था। मेरे बड़े पिता लैखन भोई के मृत्यु कि घटना का पंजीयन भूलवश आज पर्यन्त ग्राम पंचायत रसोडा तहसील बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.)में दर्ज नहीं कराया गया है। मेरे बड़े पिता नाम लैखन भोई पिता/पति मुरली भोई व पिता/माता जी .... ने अन्य कोई विवाह नहीं किए है। मेरे बड़े पिता लैखन के मृत्यु की घटना का पंजीयन ग्राम पंचायत रसोडा तहसील बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.) में दर्ज कराने के लिए जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय महासमुन्द (छ.ग.) से अनुपलब्धता प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु मुझे शपथ पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता हुई। मेरे बड़े पिता नाम लैखन भोई पिता/पति मुरली भोई के मृत्यु पंजीयन के संबंध में किसी भी प्रकार की विवाद की स्थिति में सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथकर्ता
सुरेश भोई

//न्यायालय तहसीलदार बसना जिला-महासमुन्द (छ. ग.)//
//ईश्तहार//

क्रमांक/79/क/वा-1/तह./20...

बसना, दिनांक 08.12.25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक/आवेदिका गुलाप साव पिता/पति आत्माराम साव निवासी ग्राम/नगर कुदारो बाहरा तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका अपने पुत्र नरोत्तम का दिनांक 17.04.2006 को स्थान कुदारो बाहरा में जन्म/मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म/मृत्यु का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में पुत्र नरोत्तम के जन्म की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वंय या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 17.12.2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

**नायब तहसीलदार
बसना**

//न्यायालय तहसीलदार बसना जिला-महासमुन्द (छ. ग.)//
//ईश्तहार//

क्रमांक/81/क/वा-1/तह./20.... बसना, दिनांक 08.12.25

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक/आवेदिका गुलाप साव पिता/पति आत्माराम साव निवासी ग्राम/नगर कुदारो बाहरा तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका अपने स्वंय पुत्र विशाल का दिनांक 08.12.2003 को स्थान कुदारो बाहरा में जन्म/मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म/मृत्यु का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में पुत्र विशाल के जन्म की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वंय या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 17.12.2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

**नायब तहसीलदार
बसना**

शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ने एसआईआर पर और दिल्ली रैली के लिए बुलाई बैठक

सोनिया गांधी का मनाया जन्मदिन

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग की प्रथम बैठक राजीव भवन दुर्ग में उत्साहपूर्वक आयोजित की गई। बैठक में नव-नियुक्त शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल का अतिथियों एवं वरिष्ठ कांग्रेसजनों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया।

बैठक में आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक रणनीति, जन-आंदोलन, दिल्ली रैली तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की गई और महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।नव-नियुक्त अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस जनता की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि पार्टी है और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करते हुए सभी वर्गों को सक्रिय भागीदारी के अवसर दिए जाएंगे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) कार्यक्रम की समीक्षा होगी।बैठक में मतदाता सूची संशोधन अभियान को तेज करने और वार्ड व बूथ स्तर पर टीमों को सक्रिय करने का निर्णय लिया गया।नई दिल्ली आंदोलन में सहभागिता के लिए 14 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शन में दुर्ग जिले की ऐतिहासिक एवं व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके लिए दायित्वों एवं समन्वयकर्ताओं की नियुक्ति की गई।यह निर्णय लिया गया कि ब्लॉक और शहर स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा होगी। बैठक में संगठन विस्तार, जनसंवाद अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सोशल मीडिया सक्रियता और आगामी राजनीतिक संघर्षों की रूपरेखा तय की गई।

अध्यक्ष के निर्देशानुसार अन्य संगठनात्मक मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। एवं चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी जी के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर उन्हें बधाई दी

बैठक में धीरज बाकलीवाल, अरुण वोरा, राजेंद्र साहू, आर.एन. वर्मा, दीपक दुबे, अय्यूब खान, अल्ताफ अहमद, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, महिप सिंह भुवाल, राजकुमार साहू, परमजीत सिंह, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, प्रवक्ता सुशील भारद्वाज, नासिर खोखर, आयुष शर्मा, प्रीतम देशमुख, शिवकांत तिवारी, साबिर अली, आनंद देव ताम्रकार, निकिता मिलिंद, प्रेमलता साहू, गौरव उमरे, आनंद देव ताम्रकार, अनीश रजा तिलक राजपूत, गोलू गुप्ता, सुमति घोष, वरुण केवलानी, छोटे लाल यादव, मोहित वाल्दे, राकेश सिन्हा एवं विकास सापेकार। बैठक के अंत में अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस जनता की आवाज़ को और अधिक मजबूती के साथ उठाएगी तथा जनहित के संघर्षों में अग्रणी भूमिका निभाएगी।

सावधान दिन पूरे होने वाले हैं आईजीएनएस के

बिलासपुर (समय दर्शन)। एलजीएनएस, ऑरिजीन, और वेबकी यह तीनों टोकन या कंपनियां जल्द ही एक बड़ा घोटाला करके अपना डंपर बांधने वाले हैं और लाखों निवेशकों के हाथ में होला पकड़वाने वाले हैं। छत्तीसगढ़ में lgns खूब काम कर रहा है। Lgns binance जैसे बड़े प्लेटफार्म पर ट्रेडिंग के लिए लिस्टेड किया नहीं है और यूनिस्वेप, व्ही 4 क्यूकस्वेप पर ट्रेड किया जा रहा है। lgns ब्लॉकचेन पर आधारित है कहते हैं डि सेंट्रलाइज है पर वास्तविक में ऐसा नहीं है और यहीं से इसके फ्रॉड होने का सबसे बड़ी संभावना है। इसके एजेंट कहते हैं 200 दिन में 300 गुना लाभ तब तो इन्हें भारत के वित्त मंत्रालय की चाबी दे देना चाहिए पतला रुपए अपने आप डॉलर में बदल जाएगा। भूतों के इनरवियर उतरने से बच जाएंगे। सबसे बड़ी बात है कि आपका पैसा दोगुना हो या 100 गुना, 200 गुना हो या 300 गुना किसी दूसरे की जेब से निकलकर आएगा। अर्थात जो पैसा lgns पर लगता है वह किसी उत्पाद पर नहीं लगता मतलब सिर और टोपी का खेल।

नए का पैसा पुराने में बटता है lgns स्मार्ट कांटेक्ट है कॉइन रियल है तो होल्डर कौन है। lgns का 80 प्रतिशत एक ही व्यक्ति के पास है 10 प्रतिशत 3 से 4 के बीच में है कहते हैं कि अर्थ पंप और डंप का खेल उसी के पास होगा जिसके पास 80त्न होगा जिसके पास 80 प्रतिशत है वही डिमांड और सप्लाई पर कंट्रोल करेगा। lgns को डिकोड करने पर कोडिंग 366, 282, 260 बताती है की कमी भी एडमिन घपला कर सकता है। रुपए का बंटवारा के जो ट्रांजैक्शन है वे बहुत छोटे-छोटे हैं। लिक्विडिटी क्षेत्र लोक नहीं है अर्थात एडमिन चाहे कितना भी माल निकाल ले पारदर्शिता जीरो है एडमिन फेक हाइट क्रिएट कर सकता है और अचानक सप्लाई बढ़ाकर नदारत हो सकता है कहने का अर्थ द्यद्दठ्ठह्य गैंबलिंग है माइंड गेम नहीं जुआ है और इसमें किसी को डूबना ही है डूबने वालों की संख्या लाखों में और कमाने वालों की संख्या कुछ 100 में रहेगी। खैर अभी तो छत्तीसगढ़ के इन्वेस्टर मलेशिया और सिंगापुर के नाम पर दावा खेल रहे हैं मतलब नए बकरों की तलाश हो रही है।

नवनियुक्त शहर व ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्षों ने ग्रहण किया पदभार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत राजनांदगांव जिले में शहर एवं ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर क्रमशः जितेंद्र मुदलियार और विपिन यादव की नियुक्ति की गई। दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों का पदभार ग्रहण समारोह 07 दिसंबर, रविवार को सतनाम भवन, राजनांदगांव में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, जिले के विधायक, पूर्व विधायक, वरिष्ठ नेता तथा भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दोनों जिला अध्यक्षों की नियुक्ति कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की इच्छा के अनुरूप, पूर्णतः लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त अध्यक्ष हर एक कार्यकर्ता को साथ लेकर संगठन को मजबूत करेंगे और जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा आज इनका पदभार ग्रहण है, 2028 में कांग्रेस सरकार का शपथ ग्रहण हम सभी मिलकर करवाएंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन सृजन के माध्यम से हुई यह नियुक्ति पूरी तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया रही। उन्होंने कहा हमारा पहला उद्देश्य जमीन से जुड़े कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मजबूत बनाना है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ संघर्ष करते हुए 2028 में कांग्रेस की सरकार बनाने का हमारा संकल्प अटूट है। किसान ही नहीं हर वर्ग का व्यक्ति शासन की नीतियों से परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि खरीद केंद्रों में टोकन मिलने की समस्या है, जहां टोकन मिल रहा है वहां किसानों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। रबि फसल के लिए सरकार बीज तक नहीं उपलब्ध करवा पा रही है। बिजली बिल की हाफ योजना बंदकर हितग्राहियों की छूट पर डकैती डाली दी गई। जमीन की दरों में बेतहाशा बढ़त से निम्न वर्ग, मध्यम वर्ग प्रभावित हो रहा है। जमीन खरीद पाना लोगों के लिए सपना हो गया। ऐसे ढेरों मामले हैं जिनमें डबल इंजन की सरकार फेल है। हमें इस सरकार के खिलाफ ऐसा आंदोलन खड़ा करेंगे जो ईंट से ईंट भिड़ा देगा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षकों से कुत्तों की निगरानी करने कह रही है। उन्होंने कहा कि इस मानसिकता के साथ आप प्रदेश में किस तरह सुराज ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज नक्सल मामलों में जो सफलता मिल रही है वह कांग्रेस सरकार के दौरान बनाई हुई नीतियों का ही नतीजा है। उन्होंने कहा कि जनता साय सरकार से न केवल नाराज है बल्कि ये सरकार उनकी उम्मीद भी खो चुकी है।

इस दौरान जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार व जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर इसी जोश के साथ सरकार से लोहा लेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और जनता के शोषण के खिलाफ हम पूरी ताकत से संघर्ष करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री शाहिद भाई एवं पंकज बांधव ने किया।

जिले में कृषि आदान सामग्रियों की निगरानी हेतु नियंत्रण कक्ष स्थापित, जिला स्तर पर नोडल अधिकारी/सहायक अधिकारी नियुक्त

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में रबी 2025-26 हेतु फसल क्षेत्राच्छादन, बीज, उर्वरक, कल्चर, कीटनाशक एवं अन्य कृषि आदान सामग्रियों के मांग/भण्डारण/वितरण के साथ-साथ गुण नियंत्रण तथा निरीक्षण एवं कीट व्याधि नियंत्रण के संबंध में सतत निरागनी हेतु जिला स्तर पर नोडल अधिकारी/सहायक नियुक्त कर नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। सहायक संचालक कृषि से मिली जानकारी अनुसार सहायक संचालक कृषि श्री सुमन कुमार कोर्राम को सतत निगरानी हेतु जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिनका मो. 7389368625 है। इसके अलावा सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्रीमती सत्यवती मो. 9691770113, कृषि विकास अधिकारी श्री अमित जोशी मो. 9907109662, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती संपदा लहरे मो. 9826129827, श्री अनिल चन्द्राकर मो. 8817592112, श्रीमती निशा सिंह मो. 9993942211, श्रीमती पूनम कंवर मो. 9926169876 और मुख्य लिपिक श्रीमती सुनिता लाउत्रे मो. 9977826088 को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त कर नियंत्रण कक्ष के दायित्व सौपी गई है।

किसान पुत्र अग्नीवीर मुरारी पटेल का ट्रेनिंग से वापसी पर गांव वालों ने किया स्वागत

छुट्टी पर घर लौटने पर माता-पिता और ग्रामीणों को दिया सरप्राइज

बिर्रा (समय दर्शन)। दक्षिणमुखी हनुमान जी की पावनधरा डभराखुर्द निवासी किसान पिलाऊ राम पटेल-माता श्रीमती प्रेमबाई पटेल के सुपुत्र मुरारी पटेल के 31 हफ्ते हैदराबाद में अग्नीवीर की ट्रेनिंग कर छुट्टी पर घर वापस लौटने पर परिवार, मित्रों और ग्रामीणों ने स्वागत करते हुए देशभक्ति की परिकल्पना को साकार करने पर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर से स्वागत किया गया और घर पहुंचने पर आरती तिलक वंदन गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन/ स्वागत किया गया।इस संबंध में पुरोहित पं जितेन्द्र तिवारी ने कहा कि क्रिकेट खेल में रुचि रखने वाला यह युवा के संघर्ष और जज्बे को सलाम करते एक किसान का बेटा देश सेवा में समर्पित होना आसान नहीं था परंतु डभराखुर्द के इस माटी पुत्र ने यह काम कर दिखाया ।जब सैनिक की वर्दी में गांव लौटा तो गांव वालों ने बड़े ही गर्व और उत्साह से स्वागत किया। आज़ पहला युवा है जो इस गांव से देश सेवा को साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुरारी पटेल के संघर्ष से सफलता तक की कहानी से गांव और क्षेत्र गौरवान्वित महसूस कर रहा है।हम सब इनके उज्वल भविष्य की मंगलमय कामना करते हैं।इस अवसर पर बड़ा भाई दिनेश कुमार पटेल,बहन करिश्मा पटेल व शुभचिंतक मित्र मंडली शामिल हुए।

तांदुला संभागीय कार्यालय एवं उप संभागीय भवनों का लोकार्पण

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया उद्घाटन

दुर्ग (समय दर्शन)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने जल संसाधन विभाग दुर्ग के तांदुला संभागीय कार्यालय एवं उपसंभागीय भवनों का लोकार्पण फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अहिवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर, तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष श्री जितेन्द्र कुमार साहू, अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश कुमार पांडेय एवं कार्यपालन अभियंता श्री आशुतोष सारस्वत सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने इस भवन को प्रदेश में जल संसाधन प्रबंधन और कृषक हितों के क्षेत्र में उच्च दक्षता, पारदर्शिता और तकनीकी प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह आधुनिक परिसर पुराने जर्जर भवन की जगह, भविष्यदृष्टा और टिकाऊ तकनीकी मानकों के अनुसार विकसित किया गया है, जिससे विभागीय कार्य प्रणाली और जनता-केंद्रित सेवाओं में स्पष्ट रूप से सुधार आएगा। वर्ष 1912 में निर्मित पुराना भवन समय के साथ अत्यधिक जर्जर हो गया था, जिससे विभागीय कार्य प्रणाली और आम जनता को अपेक्षित सुविधा प्रभावित हो रही थी। भवन का पुनर्निर्माण दूरगामी दृष्टि, तकनीकी मानकों और जनता-केंद्रित प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप किया गया। इस परियोजना की कुल लागत रू. 336.67 लाख है। यह परिसर दुर्ग जिले में 1.27 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र की सिंचाई योजनाओं, जल संरक्षण एवं अनुरक्षण कार्य और डिजिटाइज्ड अभिलेख प्रणाली के संचालन में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। उन्होंने सिंचाई के लिए नहर को महत्वपूर्ण बताया। नहर का जाल बिछने से सभी प्रकार के वाटर रिसोर्स रिचार्ज किया जा सकता है।

अवैध धान पर जिला प्रशासन सख्त,लगातार की जा रही कार्रवाई, केरा एवं शिवरीनारायण में अवैध धान जप्त

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में धान परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज तहसील शिवरीनारायण अंतर्गत ग्राम केरा एवं शिवरीनारायण नगर में संयुक्त टीम द्वारा छापामार कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान ग्राम केरा स्थित मनीष ट्रेडर्स से 75 कट्टी (30 क्विंटल) धान तथा शिवरीनारायण स्थित विनय जनरल स्टोर से 42 कट्टी (16 क्विंटल) धान अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। टीम ने कुल 117 कट्टी (46 क्विंटल) धान जप्त कर मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि अवैध धान की खरीदीङ्क्षबिक्री, परिवहन और भंडारण पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा नियम विरुद्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की दिव्य हनुमंत कथा भिलाई में 25 से 29 दिसंबर तक

भिलाई (एजेंसी)। देश में सनातन के ध्वजवाहक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का इस्पात नगरी में प्रथम बार आगमन होगा। वे जयंती स्टेडियम के समीप ग्राउंड में 25 से 29 दिसंबर तक आयोजित दिव्य हनुमंत कथा में श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करवाएंगे। कथा के लिए प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। पंडित शास्त्री जी 27 दिसंबर को विशेष दिव्य दरबार लगाएंगे। दरबार में वे श्रद्धालुओं की पर्ची निकलेंगे और उनकी समस्याओं के समाधान का उपाय बताएंगे। सनातन के ध्वजवाहक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भिलाई में कथा के आयोजन से श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। फलस्वरुप दिव्य हनुमंत कथा में दुर्ग-भिलाई के अलावा पूरे छत्तीसगढ़ से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की जुटने की संभावना है। जिसके मद्देनजर आयोजन समिति द्वारा जयंती स्टेडियम के समीप ग्राउंड में श्रद्धालुओं के लिए बैठक के अलावा वाहन पार्किंग, नि:शुल्क भोजन, पेयजल, शौचालय व अन्य व्यवस्थाओं की जोरदार तैयारी जारी है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष राकेश पाण्डेय ने बताया कि हम सब का सौभाग्य है कि सनातन के ध्वजवाहक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भिलाई के पावन धरती में पधार रहे हैं। वे अपनी अलौकिक कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं में श्रद्धा भक्ति का अलख जगाएंगे।

चंद्रकला मनहर पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने दिए वॉटर कूलर

वाटर प्यूरीफायर का पेंड्रीतराई स्कूल को सौगात,साथ ही उल्लास प्रमाण पत्र वितरित

अहिवारा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला पेंड्रीतराई, संकुल सेमरिया विकासखण्ड धमधा जिला दुर्ग में श्री मती चंद्रकला मनहर जी पूर्व जिला पंचायत सदस्य के द्वारा स्कूल को वाटर कूलर वाटर प्यूरीफायर की सौगात दिया गया,जिनका उदघाटन किया गया ।छात्रहित के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले चंद्रकला मनहर जी ने दोनो ही शाला के बच्चो के स्वास्थ्य लाभ के लिए शुद्ध पेयजल के वाटर प्यूरीफायर और वाटर कूलर दिए ,जो बहुत बड़ा योगदान स्कूल के लिए है ।इसी कार्यक्रम में नवभारत उल्लास महा परीक्षा में उत्तीर्ण 45 शिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया ।इस कार्यक्रम सीएसी सूर्यकांत हरदेल एसएमसी उपाध्यक्ष श्री मती रोशनी खुटेल, पंच श्री अरविंद बंजारे, पंच उर्मिला डहरिया, एसएमसी सदस्य इंद्राणी बघेल, चोवा राम ठाकुर ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए पूजा अर्चना के साथ शुरुआत किया ।सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। उल्लास महा परीक्षा में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों का तिलक लगाकर,पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान करते हुए प्रमाण पत्र वितरण किया गया ।पालक शिक्षक बैठक आयोजन किया गया ,पालकों की उपस्थिति में अकादमिक चर्चा किया गया ।इस कार्यक्रम का संचालन प्रधान पाठक थान सिंह चुरेंद्र ने किया ।उक्त कार्यक्रम में संकुल शैक्षिक समन्वयक श्री सूर्यकान्त हरदेल,प्रधान पाठक दीप्ति किरण तिर्की,प्रधान पाठक थानसिंह चुरेंद्र, खिलेंद्र बघेल प्रधान पाठक कोकड़ी,एसएमसी उपाध्यक्ष श्री मती रोषनी खूटेल, पंच उर्मिला डहरिया,अरविंद बंजारे, एसएमसी सदस्य इंद्राणी बघेल, शिक्षक मिथलेश कुमार जायसवाल, नीलमशशि कुजूर,संतोष कुमार पात्रे,रसोइया रंजना कुर्रे,परमिला बंजारे ,पालकों एवम् छात्रों को सहभागिता रही।

संक्षिप्त-खबर

25 से 29 दिसंबर तक पंडित धीरेंद्र शास्त्री की दिव्य हनुमंत कथा

भिलाई (समय दर्शन)। इस्पात नगरी भिलाई में जयंती स्टेडियम के बाजू में आयोजित होने वाली सनातन धर्म के ध्वजवाहक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के 25 से 29 दिसंबर तक दिव्य हनुमंत कथा का आयोजन सेवा समर्पण समिति के द्वारा आयोजित किया जा रहा है कथा के आयोजनकर्ता एवं सेवा समर्पण समिति के संयोजक राकेश पाण्डेय के मार्गदर्शन में तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है आज कार्यक्रम के तैयारी को स्वरूप प्रदान करने को लेकर दुर्ग भिलाई में प्रखंड स्तर पर विभक्त किया गया है जिसमें आयोजन में सहभागिता देने वाली मातृ शक्तियों के द्वारा आमंत्रण कार्ड एवं पीला चावल लेकर घर घर जाकर आमंत्रित किया जा रहा है साथ ही कार्यक्रम की भव्यता प्रदान करने के उद्देश्य से दुर्ग भिलाई में विभिन्न समाजों के नाम से लगभग 100 स्वागत गेट का निर्माण किया जाएगा और उसमें समाज के द्वारा समाज की परंपरा और संस्कृति के अनुरूप कलाकृतियों का भी प्रदर्शन किया जाएगा साथ ही भगवा ध्वज लगाया जाएगा।

समिति के संयोजक और कथा के आयोजन कर्ता राकेश पाण्डेय ने आम जनमानस से अपील की है कि आप सभी अपने घरों की छत पर भगवा ध्वज अवश्य लगवाएं ताकि कथा के समापन तक दुर्ग भिलाई में भगवामय माहौल बना रहे।

पुलिस-किसान विवाद सरकार की हठधर्मिता का परिणाम : रूपेश दुबे

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छुईखदान में पुलिस और किसानों के बीच हुई झड़प को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने सरकार की हठधर्मिता और पूंजीवादी मानसिकता का प्रत्यक्ष परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि जब 39 गांवों की ग्रामसभाएं कृषि भूमि बचाने और प्रस्तावित सीमेंट फैक्ट्री के खिलाफ एकमत हैं, तब सरकार का सीमित संख्या वाले गांवों से प्राप्त संदिग्ध हस्ताक्षरों के आधार पर 11 दिसंबर को जनसुनवाई आयोजित करना सरासर जनहित विरोधी कदम है। इसी कारण इस जनसुनवाई को तत्काल रद्द किया जाना आवश्यक है। दुबे ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार एक ओर किसानों के धान खरीद में कठोर और उलझाऊ प्रावधान लागू कर अन्नदाताओं को परेशान कर रही है, वहीं दूसरी ओर कृषि भूमि पर उद्योग स्थापित करने के लिए अपने चहेते पूंजीपति मित्रों को खुला संरक्षण दे रही है। न्यू बायोलुक फैक्ट्री को बिना विधिवत प्रक्रिया जलापूर्ति जैसी सुविधाएं देना और कल्याणी इस्पात की जनसुनवाई में जनता की आपत्तियों को नजरअंदाज कर उद्योग शुरू करा देना इसी सोच का उदाहरण है। इन कदमों से स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार जनता के हितों से अधिक उद्योग घरानों के हितों को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा कि पुलिस और किसान न तो एक-दूसरे के विरोधी हैं और न ही दोषी। यह टकराव सरकार की अनसुनी और जिद के कारण उत्पन्न हुआ है। किसान अपनी जायज मांगों और कृषि भूमि की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, जिस पर अनावश्यक दबाव बनाया गया। अंत में दुबे ने मांग की कि सरकार 11 दिसंबर की जनसुनवाई तत्काल रद्द करें, किसानों और ग्रामसभाओं के निर्णय का सम्मान करें तथा छत्तीसगढ़ की पहचान धान का कटोरा बनाए रखने के लिए जनभावना को सर्वोपरि रखें।

जिले में ग्रीष्मकालीन धान के बदले किसान ले रहे है अन्य फसल

बालोद (समय दर्शन)। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि रबी वर्ष 2025- 26 में जिले में बढ़ते जल संकट को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा विभागीय प्रदर्शन के माध्यम से 4091 हे. में रबी फसल जैसे चना, उड़द, गेंहू, मक्का, सरसों, कुसुम, गन्ना आदि फसलों के माध्यम से फसल चक्र अंतर्गत अब तक 1455 हेक्टेयर में कृषकों से दलहनी-तिलहनी फसलों का बुआई कार्य पूर्ण कर लिया गया है। रबी फसल बुआई का कार्य अभी प्रगति पर है। जिले में इस वर्ष विकासखण्ड बालोद के परसदा, खैरवाही, बेलमाण्ड, लाटाबोड़, विकासखण्ड डौण्डीलोहारा में हितापठार, मुड़पार, खोलझर, बुल्लूटोला, पिपरखार (ना), कन्याबडरी. मनकी (सा), केरीजुगॅरा, विकासखण्ड गुण्डरदेही के ग्राम मोंगरी, सलौनी, फूलझर आदि ग्रामों के किसानों द्वारा पूर्ण रुप से ग्रीष्मकालीन धान के बदले अन्य दलहनी-तिलहनी फसल ले रहे है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के माध्यम रबी वर्ष 2025-26 में 565 आयोजित कृषक चैपाल 7780 कृषक सम्मिलित हुए है। इन चैपालों के माध्यम से खरीफ वर्ष 2025 में फसल कटाई के पश्चात फसल अवशेष के उचित प्रबंध (यथा पशुचारे के रुप में उपयोग करने, कम्पोस्ट खाद बनाने आदि) के संबंध में कृषकों को सलाह एवं पैरादान कराने के उद्देश्य से जन जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिससे फसल अवशेष को जलाने से होने वाले पर्यावरण एवं मृदा स्वास्थ्य के नुकसान को रोका जा सके। इससे प्रेरित हो कर कृषकों द्वारा जानवरों के लिए चारा व्यवस्था हेतु खेतों में पड़े पैरा संग्रहण का कार्य कर रहें है एवं जैविक कृषकों द्वारा पैरा से कम्पोष्ट खाद बनाने में उपयोग कर रहे है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26